वर्ष-10 अंक-242 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, शनिवार 7 दिसम्बर 2024
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
नगर संस्करण
10
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From Google Play
Adhunik Samachar
आधुनिक समाचार नेटर्वक

संक्षिप्त समाचार

अब दूर से नष्ट किए जा सकेंगे विस्फोटक उपकरण, सेना प्रमुख ने किया किया 'एक्सप्लोडर' का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'एक्सप्लोडर' का मुख्य मकसद आईईडी से सेना के जवानों की सुरक्षा को बढ़ाना है। इस वाहन को दूर से चलाया जा सकता है, जिससे जवान बिना किसी खतरे के इन विस्फोटक उपकरणों को नष्ट कर सकते हैं।भारतीय सेना की

वार्षिक नवाचार प्रतियोगिता 'इनोयोधा' में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को एक नए और महत्वपूर्ण उपकरण का शुभारंभ किया। इस उपकरण का नाम 'एक्सप्लोडर' है। यह दूर से ही आईईडी विस्फोटक को नष्ट करने वाला वाहन है। इस विशेष वाहन को सेना के मेजर राजप्रसाद आर.एस ने तैयार किया है। सेना ने यह जानकारी दी। 'एक्सप्लोडर' का मुख्य मकसद आईईडी से सेना के जवानों की सुरक्षा को बढ़ाना है। इस वाहन को दूर से चलाया जा सकता है, जिससे जवान बिना किसी खतरे के इन विस्फोटक उपकरणों को नष्ट कर सकते हैं। मेजर राजप्रसाद पहले भी दो अन्य तकनीकी नवाचार विजयुत रक्षक और अग्निशस्त्र विकसित कर चुके हैं, जिन्हें पहले ही सेना में शामिल किया जा चुका है। जनरल द्विवेदी ने इस नए उपकरण की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना की ताकत को और मजबूत करेगा और जवानों को नई चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा। वहीं, गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने 'जलदूत' को आज विशाखापत्तनम के नेवल साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल लेबोरेटरी (एनएसटीएल) को औपचारिक रूप से सौंप दिया। यह बिना चालक के सतह पर चलने वाला जहाज है। इसे पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है। इसका मकसद समुद्री निगरानी और रक्षा कार्यों में मदद करना है। यह 'जलदूत' बिना किसी मानव चालक के काम करता है और स्वचालित रूप से समुद्र में अपनी तय दिशा पर चलता है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर बीआर आंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि; कुछ इस अंदाज में मिले पीएम मोदी और खरगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आज जब देश उनके योगदान को याद कर रहा है तो वे उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं।संसद भवन लॉन में 69वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर डॉ. बीआर आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान पीएम मोदी और खरगे ने कुछ खास अंदाज में एक दूसरे का स्वागत किया। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और किसी भी ठहाके लगाकर हंसते हुए दिखाई दिए। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की

पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आज जब देश उनके योगदान को याद कर रहा है तो वे उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं।उन्होंने 'एक्स' पर कहा, 'महापरिनिर्वाण दिवस पर, हम अपने संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को नमन करते हैं। समानता और मानवीय गरिमा के लिए डॉ. आंबेडकर का अथक संघर्ष पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है। आज जब हम उनके योगदान को याद कर रहे हैं, हम उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। प्रधानमंत्री ने इस पोस्ट के साथ ही इस साल की शुरुआत में मुंबई में चैत्य भूमि की अपनी यात्रा से जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की और लिखा, 'जय भीम'। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बीआर आंबेडकर के आदर्शों और उनके सर्वोत्तम योगदान भारत के संविधान की रक्षा, सुरक्षा और संरक्षण की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, 'बाबासाहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर हम संविधान और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। आंबेडकर की पुण्यतिथि हर वर्ष छह दिसंबर को मनाई जाती है। इसे 'महापरिनिर्वाण दिवस' के तौर पर मनाया जाता है।

भविष्य में चौंकाने वाली घटनाएं महाराष्ट्र की सियासी उठापटक पर सीएम फडणवीस का तंज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारी भूमिकाएं बदल गई हैं लेकिन दिशा वही है, गति वही है। जब आप हम तीनों के बीच संबंधों के बारे में बात करेंगे तो आपको कुछ अलग नजर नहीं आएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके उपमुख्यमंत्री अजित पवार तथा एकनाथ शिंदे ने राज्य सचिवालय में अपनी जिम्मेदारियां संभाल लीं। अपनी पहली कैबिनेट बैठक के बाद सीएम ने मीडिया से बातचीत के दौरान उम्मीद जताई कि राज्य में पिछले कुछ सालों की तरह राजनीतिक उथल-पुथल नहीं देखने को मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति अगले पांच सालों तक स्थिर सरकार देगी। विपक्षी महा विकास अघाड़ी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'साल 2019 से 2022 के मध्य तक हमने काफी बदलाव देखे हैं। हमें उम्मीद है कि भविष्य में इस तरह की चौंकाने वाली घटनाएं नहीं देखने को मिलेंगी।' गुरुवार को तीसरी बार सीएम पद की शपथ लेने वाले 54 साल के फडणवीस ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विरोध के कारण सरकार गठन की प्रक्रिया में हुए दो सप्ताह की देरी को भी तवज्जो नहीं दी। पार्टी अपने प्रमुख के लिए

शीर्ष पद चाहती थी और यह तर्क देते हुए कि यह उनकी सरकार के कल्याणकारी उपाय थे, जिन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन को जीत दिलाई।उन्होंने पदों की बदलती प्रकृति का जिक्र करते हुए कहा कि इससे उनके समन्वय पर कोई फर्क नहीं पड़ता। इससे पहले भी उन्होंने पद को तकनीकी करार दिया था। उन्होंने आगे कहा, 'साल 2014 में मैं मुख्यमंत्री था और शिंदे हमारे साथ थे। साल 2019 में 72 घंटे के लिए अजित दादा और मैं मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री थे। इसके बाद, शिंदे मुख्यमंत्री थे और अजित दादा व मैं उपमुख्यमंत्री। अब मैं मुख्यमंत्री हूं और वो दोनों उपमुख्यमंत्री हैं। उन्होने आगे कहा, 'हमारी भूमिकाएं बदल गई हैं लेकिन दिशा वही है, गति वही है। जब आप हम तीनों के बीच संबंधों के बारे में बात करेंगे तो आपको कुछ अलग नजर नहीं आएगा।

रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों के लिए बेहतर पहुंच की जरूरत', मॉस्को से व्यापार पर बोले जयशंकर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि बीते दो वर्षों में भारत ने रूस से ज्यादा तेल आयात किया है। लेकिन एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह हुआ है कि हम अब रूस से कोयला और उर्वरक जैसे अन्य प्राकृतिक संसाधन भी बड़े पैमाने पर आयात कर रहे हैं।विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने गुरुवार को और उर्वरक जैसे अन्य प्राकृतिक संसाधन भी बड़े पैमाने पर आयात कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रूस, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और ब्राजील जैसे देश भारत के स्वाभाविक साझेदार हैं, क्योंकि ये देश दीर्घकालिक संसाधनों की आपूर्ति कर सकते हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत रूस

भारत और रूस संबंधों पर चर्चा की और रूस के बाजार में भारतीय उत्पादों के लिए बेहतर पहुंच की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत, रूस से न केवल तेल बल्कि उर्वरक, कोयला और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का आयात भी बढ़ा रहा है। जयशंकर ने यह बयान दिल्ली में आयोजित 'भारत एट 100' कार्यक्रम में दिया, जो एसोचेम की ओर से आयोजित किया गया था। जयशंकर ने कहा, बीते दो वर्षों में भारत ने रूस से ज्यादा तेल आयात किया है। लेकिन एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह हुआ है कि हम अब रूस से कोयला के साथ अपने व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बहुत मेहनत कर रहा है और भारत फार्मा उद्योग, समुद्री उत्पादों और कृषि उत्पादों के लिए रूस के बाजार में बेहतर पहुंच हासिल करने के लिए दबाव बना रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि रूस के पहले उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव भारत और रूस के आर्थिक संबंधों पर काम कर रहे हैं, जो पिछले महीने दिल्ली आए थे। भारत ने रूस से कहा है कि भारतीय निर्यात के लिए रूस के बाजार को और अधिक खोला जाना चाहिए।

न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं, केंद्र ने राज्यसभा में दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं, जबकि हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। जिला न्यायाधीश 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा को बृहस्पतिवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। न्यायाधीशों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद के कार्यों के लिए संविधान में किसी कूलिंग ऑफ अवधि का कोई उल्लेख नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं, जबकि हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। जिला न्यायाधीश 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से नियम एवं प्रक्रियाओं का पालन करने और सदन में बिल्ला लगाकर न आने का आग्रह किया। बिरला ने कहा, आप वरिष्ठ सदस्य हैं। हम नियमों का पालन नहीं करेंगे तो सदन की गरिमा गिरेगी। उनकी

इस अपील को कांग्रेस के कुछ सदस्यों की ओर से काले रंग की जैकेट पहनकर सदन में आने की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में बताया कि लेटरल एंट्री के माध्यम से केंद्र सरकार के कई विभागों में 2019 से 2023 तक 63 विशेषज्ञों की नियुक्ति की गई है। उच्च सदन में लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि इनमें से 35 अनुबंध पर और शेष 28 प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किए गए हैं। सरकार ने राज्यसभा में बताया कि राष्ट्रीय बैंकों में औसतन 20 प्रतिशत महिलाओं के खाते हैं, लेकिन भारत के पोस्ट पेमेंट्स बैंक की शुरुआत के बाद उनमें 45 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के खाते खोले गए हैं। संचार राज्य मंत्री चंद्र शेखर पेम्मासानी ने कहा कि डाकघरों को बदल दिया गया है और उन्हें ग्रामीण समुदायों, विशेषकर महिलाओं के वित्तीय समावेशन आधार बना दिया गया है। आईटी आधुनिकीकरण के तहत, सरकार ने 5,700 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और हमने हर डाकिया को एक मोबाइल एटीएम बनाने के लिए 1.4 लाख मोबाइल फोन, 1.4 लाख थर्मल प्रिंटर और 3 लाख बायोमीट्रिक उपकरण दिए हैं ताकि वे हर महिला गृहिणी के दरवाजे तक जा सकें। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में बतायाकि संसद की ओर से पारित अधिनियमों के अधिनियमन के बाद विधायी प्रभाव के मूल्यांकन को अनिवार्य करने वाला कोई कानून लाने की योजना नहीं है। विधायी प्रभाव मूल्यांकन का अर्थ उन प्रभावों के अध्ययन से है जो प्रस्तावित और अधिनियमित कानूनों का समाज पर पड़ता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव किसानों के मुद्दों को केंद्र में रखा है।

प्रियंका के आने से बदला सीट आवंटन बना आईएनडीआईए की मुसीबत; अयोध्या सांसद को पीछे भेजने से सपा नाराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद को पहली पंक्ति में जगह नहीं मिलने से नाराज है। सपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को सीट आवंटन के संबंध में हो रही बातचीत मिले। इस बीच, डिंपल यादव ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर अवधेश प्रसाद को अग्रिम पंक्ति में जगह देने का अनुरोध किया है। दूसरी ओर, दूसरी पंक्ति में भेजे गए डीएमके सांसद टीआर बालू ने कांग्रेस से अपने लिए अग्रिम की ओर उनके ठीक सामने दूसरे ओर से पहली सीट पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बैठे होंगे। लोकसभा सचिवालय से जारी सीटिंग प्लान में भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को अब गृहमंत्री अमित शाह के बगल में पहली पंक्ति

और निर्णय की जानकारी उचित समय पर नहीं दी गई। अब अखिलेश चाहते हैं कि अवधेश को पहली पंक्ति में जगह मिले। नई लोकसभा में सीट आवंटन की प्रक्रिया ने इंडिया गठबंधन में दरार पैदा कर दी है। गठबंधन में शामिल सपा, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके कांग्रेस से नाराज हैं। तीनों दलों को लगता है कि गठबंधन की अगुवाई करने वाली कांग्रेस ने सीट आवंटन में उनकी बात नहीं रखी। इसी नाराजगी के कारण सपा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस के प्रदर्शन से दूरी बना ली। लोकसभा में प्रियंका गांधी की एंट्री के बाद सपा अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद को पहली पंक्ति में जगह नहीं मिलने से नाराज है। सपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को सीट आवंटन के संबंध में हो रही बातचीत और निर्णय की जानकारी उचित समय पर नहीं दी गई। अब अखिलेश चाहते हैं कि अवधेश को पहली पंक्ति में जगह पंक्ति की सीट की मांग की है। तृणमूल सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस गठबंधन की अगुवाई कर रही थी, इसलिए सीट आवंटन की प्रक्रिया में कांग्रेस से ही बात की गई। आवंटन प्रक्रिया में 99 सीटें जीतने वाली कांग्रेस को अग्रिम पंक्ति में चार सीटें मिलीं। सपा, तृणमूल, डीएमके के हिस्से अग्रिम पंक्ति की एक-एक सीट ही आईं। सूत्रों ने कहा, लगता है कांग्रेस ने सहयोगियों के लिए उचित तरीके से सरकार से बात नहीं की। उसे सहयोगी दलों के नेताओं की वरिष्ठता का ख्याल रखना चाहिए था। सपा सांसद डिंपल यादव ने सीट आवंटन पर कहा कि नाराजगी जैसी बात नहीं है। इस मामले में अंतिम निर्णय स्पीकर का होता है। हमने स्पीकर के समक्ष अपना पक्ष रखा है। उनसे अग्रिम पंक्ति में एक अतिरिक्त सीट मांगी है। मुझे भरोसा है कि स्पीकर हमारी मांग पूरी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में पहली सीट पर बैठेंगे, वहीं विपक्ष में चौथी सीट दी गई है। इससे पहले वह दूसरे कॉलम में सीट नंबर 58 पर बैठते थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह प्रधानमंत्री के बगल में दूसरी सीट पर बैठेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को अगली पंक्ति में सीट नंबर 355 आवंटित हुई है। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय यादव के बगल में बैठेंगे। उनकी पार्टी के अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी और सौगत रॉय को दूसरी पंक्ति में क्रमशः 280, 281 और 284 नंबर की सीटें आवंटित की गई हैं। डीएमके नेता टीआर बालू और ए राजा को भी अग्रिम पंक्ति की सीटें आवंटित की गई हैं। वायनाड से जीतकर पहली बार लोकसभा पहुंची कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को चौथी पंक्ति में सीट नंबर 517 मिली है। सदन में पश्चिम बंगाल से बशीरहाट के सांसद टीएमसी के एस के नूरुल इस्लाम के निधन के बाद से एक सीट खाली है।

मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी-जो युवकों सहित 12 का अंतिम संस्कार; इंटरनेट पर प्रतिबंध 7 दिसंबर तक बढ़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मणिपुर के जिरीबाम में 11 नवंबर को सुरक्षाबलों से हुई मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी-जो युवकों सहित 12 लोगों का बृहस्पतिवार को अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले ग्रामीण स्वयंसेवकों की ओर से बंदूकों से सलामी दी गई।मणिपुर के जिरीबाम में 11 नवंबर को सुरक्षाबलों से हुई मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी-जो युवकों सहित 12 लोगों का बृहस्पतिवार को अंतिम संस्कार किया गया। चुराचांदपुर में 'पीस ग्राउंड' पर अंतिम संस्कार से पहले ग्रामीण स्वयंसेवकों की ओर से बंदूकों से सलामी दी गई। मणिपुर में कुकी-जो समुदाय के प्रमुख संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने शोकसभा आयोजित की। अंतिम संस्कार में मिजोरम के विधायक व

मुख्यमंत्री लालदुहोमा के तकनीकी सलाहकार गिन्जालाला और पड़ोसी राज्य के कई अन्य लोग शामिल हुए। मणिपुर पुलिस ने दावा किया था कि 11 नवंबर को जिरीबाम जिले के जकुराधोर में सशस्त्र विद्रोहियों ने बोरोबेकरा थाने और निकटवर्ती सीआरपीएफ शिविर पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षाबलों से हुई मुठभेड़ में 10 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। अन्य दो मृतक कुकी युवक थे, जिनकी संदिग्ध मैतेई उग्रवादियों ने उस समय हत्या कर दी थी, जब वे अपने परिवार से मिलने गए थे। कुकी-जो संगठन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सीआरपीएफ के साथ मुठभेड़ में 10 युवकों के मारे जाने की घटना की न्यायिक जांच की मांग की। पत्र में इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने सीआरपीएफ की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। मणिपुर सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवा पर लगा प्रतिबंध और दो दिन यानी सात दिसंबर तक बढ़ा दिया।

बचपन के टीचर से मिले राहुल गांधी, पढ़ाते थे हिंदी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने अपने बचपन के शिक्षक से खुशनुमा माहौल में बातचीत की। शिक्षक उन्हें बचपन

में हिंदी पढ़ाते थे। कांग्रेस सांसद ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह अपने बचपन के शिक्षक से मुलाकात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस मुलाकात दौरान उन्होंने अपने शिक्षक के साथ बिताए समय को याद किया और बताया कि उनके जीवन पर शिक्षक का कितना असर पड़ा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। राहुल गांधी ने वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया और लिखा, आज संसद में हमारे बचपन के हिंदी के शिक्षक के साथ एक यादगार मुलाकात। सर के साथ पुरानी यादें ताजा करके बेहद खुशी हुई। वीडियो में उनकी बहन और वायनाड से नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी को भी देखा जा सकता है।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

प्रयागराज के फिनिक्स और सृजन अस्पताल में आयकर विभाग द्वारा छापेमारी की कार्रवाई की गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। जिससे मरीजों और तीमारदारों समेत अस्पताल के चिकित्सकों में अफरातफरी मची रही। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर आलोक मिश्र, विभव मालवीय, जेपी राय समेत अन्य डॉक्टरों के घर पर सुबह आयकर विभाग के अफसरों ने छापेमारी की कार्रवाई की। सभी को फिनिक्स हॉस्पिटल में बुलाया गया। उधर, आयकर विभाग की अन्य टीमों ने उनके घरों पर छापा मार कर सर्च अभियान चलाया। इसके अलावा सिविल लाइंस के एल्गिन रोड स्थित सृजन अस्पताल में भी टीमें पहुंची। बालसन चौराहे के निकट कर्नलगंज इंटर कॉलेज के पीछे फोनिक्स अस्पताल में भी घंटों छानबीन की गई। कार्रवाई शाम तक जारी रही।

प्रधानमंत्री के लिए संगम पर तैयार होने लगी जेटी, संगम नोज पर गंगा पूजन कर करेंगे महाकुंभ की शुरूआत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रधानमंत्री 13 दिसंबर

को प्रयागराज आ रहे हैं। विशेष यान से बमरौली एयरपोर्ट पर आएंगे। प्रधानमंत्री वहां से अरैल हेलिकॉप्टर से आएंगे। इसके बाद निषादराज क्रूज से वह संगम भ्रमण करेंगे। इसी क्रम में प्रधानमंत्री गंगा पूजन कर महाकुंभ-2025 की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गंगा पूजन कर महाकुंभ की शुरुआत करेंगे। इसके लिए जेटी तैयार होने लगी है। संगम नोज पर समतलीकरण के साथ नदी में आधार तैयार करने का काम भी बृहस्पतिवार को शुरू हो गया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर फ्लोटिंग जेटी का भी इंतजाम किया गया है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर जेटी एवं पंडाल समेत संगम का बड़ा इलाका तीन दिन पहले ही एसपीजी की सुरक्षा घेरे में आ जाएगा। निर्धारित दूरी तक आवागमन भी प्रतिबंधित रहेगा।

कपड़े उतरवाकर चेकिंग करने पर भड़के एलएलबी के छात्र, डिग्री कॉलेज पर किया जमकर बवाल, मारपीट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। कामता सिंह पीजी कॉलेज में शुक्रवार को एलएलबी की परीक्षा आयोजित की गई थी। बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले छात्रों की तलाशी ली जा रही थी। विवाद उस समय बढ़ गया जब तलाशी ले रहे कॉलेज स्टाफ के शिक्षक और अन्य कर्मचारियों ने परीक्षार्थियों के कपड़े उतरवाने शुरू कर दिए। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। छात्रों ने प्रबंधक के बेटे की जमकर पिटाई कर दी। झूंसी थाना क्षेत्र के रामापुर पटेल नगर इलाके में स्थित कामता सिंह पीजी कॉलेज में छात्रों ने जमकर बवाल किया। एलएलबी के छात्रों का आरोप है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले परीक्षार्थियों के कपड़े उतरवाकर चेकिंग की गई। इसका तमाम छात्रों ने विरोध किया तो कॉलेज के लोगों ने छात्रों के साथ अभद्रता की। इसको लेकर छात्रों

का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज प्रबंधक के बेटे को जमकर पीट दिया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहंच गई है। कामता सिंह पीजी कॉलेज में शुक्रवार को एलएलबी की परीक्षा आयोजित की गई थी। बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले छात्रों की तलाशी ली जा रही थी। विवाद उस समय बढ़ गया जब तलाशी ले रहे कॉलेज स्टाफ के शिक्षक और अन्य कर्मचारियों ने परीक्षार्थियों के कपड़े उतरवाने शुरू कर दिए। पूरे कपड़े उतरवाकर चेकिंग करने पर छात्रों ने जब आपत्ति दर्ज की तो उनके साथ अभद्रता की गई। इसके बाद छात्रों का गुस्सा फूट गया और वह हंगामा करने लगे।इससे अफरातफरी मच गई। उधर, कुछ छात्रों का कहना है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले छात्रों के सुविधा शुल्क के नाम पर वसूली की जा रही थी। छात्रों ने इसके विरोध में हंगामा किया। इस दौरान मारपीट की भी शिकायत मिली। छात्रों ने कॉलेज के प्रबंधक हरिश्चंद्र के बेटे नीरज पटेल की जमकर पिटाई कर दी। आरोप है कि नीरज ने ही पहले छात्र रोहित यादव की पिटाई की थी। हंगामे की सूचना पर झूंसी थानाध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह मौके पर पहुंच गए। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। अवैध वसूली और कपड़े उतराकर चेकिंग दोनों बिंदुओं पर पुलिस छानबीन कर रही है।

समदरिया विद्यालय दादुपुर चाका प्रयागराज में कुम्भ प्रदर्शनी का आयोजन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। समदरिया विद्यालय दादुपुर चाका प्रयागराज में कुम्भ प्रदर्शनी का आयोजन हुआ.. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व सासंद डॉ रीता बहगुणा जोशी जी व विशिष्ट अतिथि श्री पी एन दृवेदी जी (राज्य सूचना आयुक्त)उत्तर प्रदेश सरकार जी रहें कार्यक्रम सयोजक- श्री मनी शंकर दृवेदी जी,, संचालन डॉ अम्बिका पाण्डेय जी के द्वारा किया गया मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्जवलित किया और बच्चो द्वारा लगाये गये कुम्भ प्रदर्शनी का अवलोकन किया, इस अवसर पर वरिष्ठ जन् अंबिका पांडे भागवत कुशवाहा बृजेश भारतीय दिनेश यादव प्रदीप भारतीय रोहित निषाद हरनाम सिंह गिरीश राय रोहित जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

सृजन और फीनिक्स अस्पतालों में आयकर विभाग ने पकड़ी गई करोड़ों की गड़बड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। आयकर विभाग को शहर के फीनिक्स और सृजन अस्पताल मे करोड़ों की गड़बड़ी मिली है। अस्पपतालों की ओर से भारी अनियमितता की गई है। जांच दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रही। सूत्रों की मानें तो अभी जांच कई दिनों तक चल सकती है। आयकर विभाग को शहर के फीनिक्स और सृजन अस्पताल मे करोड़ों की गड़बड़ी मिली है। अस्पपतालों की ओर से भारी अनियमितता की गई है। जांच दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रही। सूत्रों की मानें तो

अभी जांच कई दिनों तक चल सकती है। आयकर विभाग की टीम ने बृहस्पतिवार को फीनिक्स और सृजन हॉस्पिटल में छापा मार दिया था। टीमें अस्पतालों में हिस्सेदार व इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन (एएमए) के अध्यक्ष डॉ. जेवी राय का घर-दफ्तर खंगाल रही हैं। दवा-खरीद बिक्री से जुड़े तमाम दस्तावेज कब्जे में ले लिए गए हैं। करोड़ों की टैक्स चोरी की शिकायत पर यह जांच हो रही है। वाराणसी में आयकर विभाग के अपर निदेशक (जांच) अतुल पांडेय और सहायक निदेशक आर ऐश्वर्या के नेतृत्व में 40 सदस्यीय टीम ने छानबीन कर रही है। एक टीम टैगोर टाउन स्थित फीनिक्स अस्पताल और दूसरी टीम सिविल लाइंस स्थित सृजन अस्पताल पहुंची। अस्पताल स्टाफ के मोबाइल फोन जमा कर लिए गए हैं। तीसरी टीम फीनिक्स और सृजन हॉस्पिटल के संस्थापक निदेशकों में से एक और शहर के जाने-माने बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जेवी राय के सिविल लाइंस स्थित घर पर जांच कर रही है। यहां से तमाम दस्तावेज जब्त किए। डॉ. राय करीब दो महीने पहले ही एएमए के अध्यक्ष बने हैं। उनकी पत्नी डॉ. अनामिका राय इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं।आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, शिकायत के केंद्र में डॉ. राय ही हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

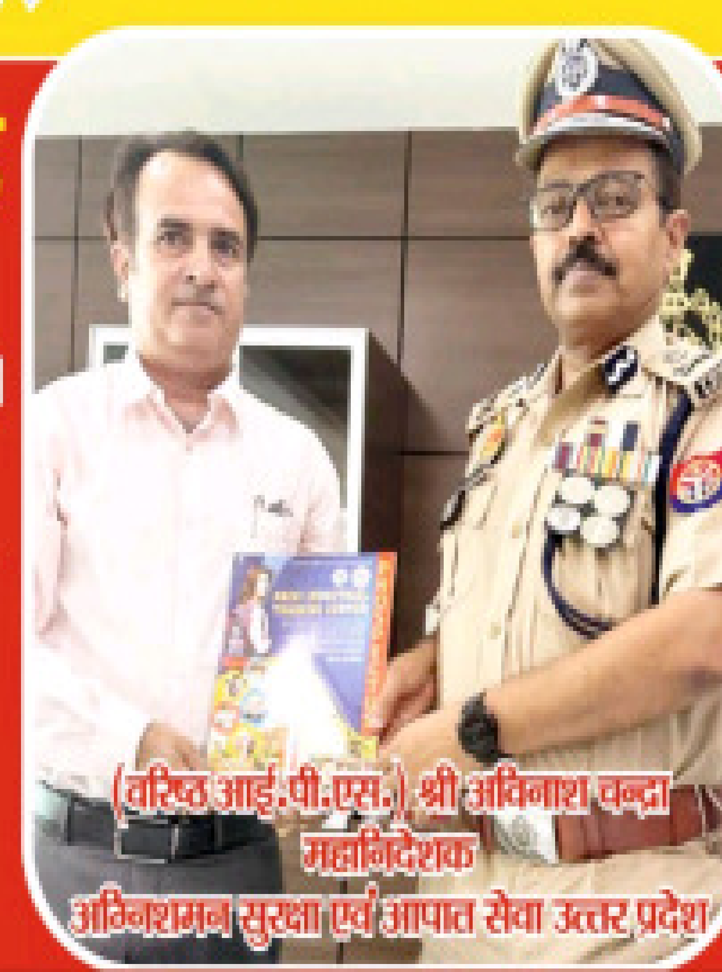

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

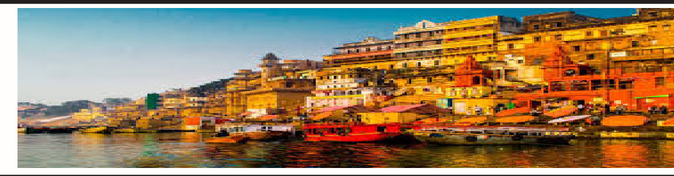

जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत भदोखर के पंचायत भवन,तालाबों और सड़कों की साफ-सफाई का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने राही विकास खंड के निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराया जाए।

ग्राम पंचायत भदोखर का निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने पंचायत भवन, तालाबों और सड़कों की साफ-सफाई और मरम्मत कार्य का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान व ग्रामीणो के साथ बैठक कर क्षेत्र की समस्याओं को सुना। ग्राम प्रधान द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि ग्रामीणों द्वारा बारात घर और स्ट्रीट लाइट की मांग की जा रही है। जिलाधिकारी ने संबंधित को जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द ग्राम पंचायत में बारात घर और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, खंड विकास अधिकारी गौरी राठौर, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के बचत भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देष दिये कि सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानो द्वारा पराली न जलाई जाए यह सुनिश्चित कराया जाए। सड़क के किनारे ट्रक/हैवी वाहन न खड़े हो यह सुनिश्चित कराया जाये। ठण्ड के मौसम के दृष्टिगत यह सुनिश्चित कराया जाये कि कोई भी व्यक्ति खुले स्थान पर

यह सुनिश्चित कराया जाए कि सड़क के दोनो किनारों पर अवैध अतिक्रमण न होने पाये, सड़क के किनारे अवैध अतिक्रमण होता है तो यातायात बाधित होता है और लोगों के सुगम यातायात में समस्या उत्पन्न होती है। सड़कों के किनारे लग रहे वेण्डिग जोन को चिन्हित कर वेण्डरों को आस-पास कही व्यवस्थित स्थान पर शिफ्ट कराने हेतु स्थान का चयन कर प्रस्ताव उपलब्ध न सोये, उसको पास के रैन बसेरा में शिफ्ट कराया जाये तथा सभी संबंधित स्थानों पर अलाव जलाये जाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

वॉलीबॉल में 5 दिन तक देश भर की 33 टीमों के 792 खिलाड़ी दिखाएंगे प्रतिभा, काशी में खेल प्रतियोगिताएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी । वाराणसी में विभिन्न स्थानों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। जीत हुए खिलाड़ियों को सम्मान के साथ उन्हें प्रोत्साहित भी किया गया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के एंफीथिएटर मैदान में राष्ट्रीय माध्यमिक स्कूली वॉलीबॉल प्रतियोगिता खेली जाएगी। इसकी तैयारियां की जा रही हैं।68वीं राष्ट्रीय माध्यमिक स्कूली वॉलीबॉल प्रतियोगिता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एंफीथियेटर मैदान पर खेली जाएगी। अलग-अलग राज्यों के खेल संस्थानों की 33 टीमों के अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग के 792 खिलाड़ी खेलेंगे। बीएचयू में छह कोर्ट तैयार किए जा रहे हैं। खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए दो कोर्ट सुरक्षित रखे गए हैं। चार कोर्ट पर मैच कराए जाएंगे। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय खेल के लिए वाराणसी को चुना जाना काशीवासियों के लिए गर्व की बात है। 10 से 14 दिसंबर तक स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की ओर प्रतियोगिता होगी। उद्घाटन 10 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे और समापन 14 दिसंबर को होगा। कोच, मैनेजर और जनरल मैनेजर की बैठक बीएचयू के विज्ञान संगोष्ठी कक्ष में नौ दिसंबर को शाम चार बजे होगी। खिलाड़ियों, मैनेजर, कोच और ऑफिसिशियलस बीएचयू के एलडी गेस्ट हाउस के सात सूइट्स में ठहरेंगे। आसपास के होटलों में 325 डबल बेड कमरे बुक कराए गए हैं। भोजन और नाश्ते की व्यवस्था एंफीथियेटर कैंप में की गई है। खिलाड़ियों को रेलवे स्टेशनों से रिसीव करने के लिए हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। स्टेशन पर टेंपो ट्रैवलर्स खड़े रहेंगे। जो कि खिलाड़ियों को होटल और आयोजन

स्थल तक ले जाएंगे। तीन-तीन अध्यापक, अध्यापिकाओं को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और अध्यापकों की ड्यूटी लगाई गई है। स्वागत, प्रचार-प्रसार, रंगोली और मंच संचालन समिति का गठन किया गया है। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने आयुक्त सभागार में 68वीं माध्यमिक विद्यालयीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के शुभंकर का लोकार्पण किया। इस मौके पर छह ट्रॉफियों का अनावरण किया गया। काशी के धार्मिक संस्कृति को ध्यान में रख देवाधिदेव महादेव के प्रिय नंदी को शुभंकर घोषित किया गया है। मार्च पास्ट में सबसे आगे शुभंकर शामिल होंगे।उत्तराखंड में 26 जनवरी से होने वाली राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बरेका की राष्ट्रीय खिलाड़ी रेखा सिंह हैमर थ्रो में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। रेखा स्वर्ण पदक के लिए बीएचयू के एंफीथियेटर में रोज आठ घंटे अभ्यास कर रही हैं। रेखा ने बताया कि वह रोज सुबह और शाम को पसीना बहाती हैं। उनके भाई राष्ट्रीय एथलीट हैं। उन्हें मेहनत करता देख खेल में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। रेखा ने बताया कि पहला स्वर्ण पदक 2011 में शॉर्टपुट में स्वर्ण जीता था। 2014 में यूथ मीट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। 2016 जूनियर फेडरेशन में रजत और 2019 सीनियर ओपन नेशनल में स्वर्ण पदक जीता। चंदौली के शहीद हीरा सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धानापुर में अंतर महाविद्यालयीय महिला रस्साकशी प्रतियोगिता में बलदेव पीजी कॉलेज को 2 0 से हराकर श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज विजेता बना। श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में प्रवेश किया। टीम ने लगातार दूसरे साल स्वर्ण पदक जीता है। टीम की ओर से साधना सिंह, प्रीति पटेल, तनु गुप्ता, ज्योति गौड, श्वेता कुमारी, मोनी साहनी, सानिया सिद्दीकी, शालू अग्रसेन ने मैच खेला। प्रदर्शन के आधार पर महाविद्यालय की छात्रा साधना पटेल, सानिया सिद्दीकी और अंजली कनौजिया विद्यालयीय टीम के लिए चयनित हुई। क्रीड़ा परिषद की सचिव डॉ. नंदनी पटेल ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। जीत पर कोच श्रद्धा वर्मा, डॉ. शृंखला ने खुशी का इजहार किया। आधुनिक खेल सुविधाओं से युक्त सिगरा स्टेडियम में क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से सात दिसंबर से पांच खेलों का आगाज होगा। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी विमला सिंह ने बताया कि मुक्केबाजी, जिम्नास्टिक, क्रिकेट, फुटबॉल, हैंडबॉल, हॉकी व एथलेटिक्स की प्रतियोगिता 16 दिसंबर तक होगी। सात को जूनियर बालक वर्ग की मुक्केबाजी, 11 दिसंबर को जूनियर बालक-बालिका जिम्नास्टिक, 12 से 15 दिसंबर तक जूनियर बालक क्रिकेट प्रतियोगिता होगी। लालपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 11 दिसंबर को जूनियर बालक-बालिका एथलेटिक्स, 11 दिसंबर को जूनियर बालिका हैंडबॉल और 15 से 16 दिसंबर तक जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता होगी।

पराली जलाने में बलिया पहले स्थान पर, सोनभद्र में ढाई महीने में एक केस; सेटेलाइट ने पकड़े 390 मामले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी । पराली जलाने को लेकर भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर ने सख्ती दिखाई है। ग्रामीण क्षेत्रों और खेतों में सेटेलाइट से निगाह रखी जा रही है। विभाग के अनुसार, 30 नवंबर तक देशभर के प्रदेशों में पराली जलाने की घटना को कैप्चर किया। इसमें पंजाब, हरियाणा के अलावा पश्चिमी यूपी में ज्यादा मामले सामने आए। वहीं, पूर्वांचल के कुछ जिलों में भी किसान पराली

यदि कोई किसान पराली जलाने की पुनरावृत्ति करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाती हैपश्चिम उत्तर प्रदेश के जिलों में भले ही पराली जलाने की घटनाएं अधिक रही हों, लेकिन पूर्वांचल के कुछ जिले भी पीछे नहीं हैं। आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) की सेटेलाइट ने ढाई महीने में पूर्वांचल के 10 जिलों में 390 मामले पकड़े हैं। इसमें सबसे ज्यादा बलिया में पराली जलाने के 87 मामले हैं। जबकि आजमगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ में भी 50 से 80 मामले हैं। वहीं, सबसे कम सोनभद्र में एक और वाराणसी में चार केस हैं। कृषि विभाग ने इन पर जुर्माना लगाया है। आईसीएआर ने सेटेलाइट तकनीक के जरिये 15 सितंबर से जलाने से बाज नहीं आए। इसमें सबसे ज्यादा बलिया में 87 मामले सामने आए। वहीं, आजमगढ़ में 61, जौनपुर में 78, गाजीपुर में 53, मऊ में 52, चंदौली में 32 मामले पराली जलाने के रिकॉर्ड किए गए। वहीं, सोनभद्र में एक, वाराणसी में चार और भदोही में 12 मामले दर्ज किए गए। पांच सालों में आए 1532 मामले पूर्वांचल के 10 जिलों में बीते पांच साल में पराली जलाने की कुल 1532 घटनाएं हुईं। इसमें भी सबसे ज्यादा बलिया में 449, जौनपुर 269, आजमगढ़ में 241, गाजीपुर में 181, मऊ में 161, चंदौली में 131, मिर्जापुर में 56, भदोही में 26, वाराणसी में 14, सोनभद्र में चार घटनाएं हुईं।पराली जलाने के मामले में शासन ने जुर्माने की राशि दोगुना करते हुए कार्रवाई का प्रावधान किया है।

डायलिसिस के लिए अब मरीजों को नहीं करना होगा लंबा इंतजार, विश्वविद्यालय के चिकित्सालय में बढ़ी मशीनें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी । पहले जहां इस यूनिट में चार मशीनों/बेडों पर डायलिसिस की सुविधा थी, वहीं अब विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शिफ्ट हुई यूनिट में मशीनों की संख्या को बढ़ाकर 18 कर दिया गया है। गुर्दे की बीमारी से पीड़ित पूर्वी उत्तर प्रदेश, सीमावर्ती बिहार और नेपाल के मरीजों को अब डायलिसिस के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए एक बड़ी यूनिट की सौगात महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चिकित्सालय में स्थापित हो गई है। गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ के डायलिसिस यूनिट को भी अब महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चिकित्सालय में शिफ्ट कर दिया गया है। पहले जहां इस यूनिट में चार मशीनों/बेडों पर डायलिसिस की सुविधा थी, वहीं अब विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शिफ्ट हुई यूनिट में मशीनों की संख्या को बढ़ाकर 18 कर दिया गया है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के हॉस्पिटल की डायलिसिस यूनिट पूर्वांचल के बड़े डायलिसिस सेंटर की कतार में शामिल हो गई है। गौरतलब है कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में इस साल से एमबीबीएस की सौ सीटों पर पढ़ाई शुरू हो चुकी है।

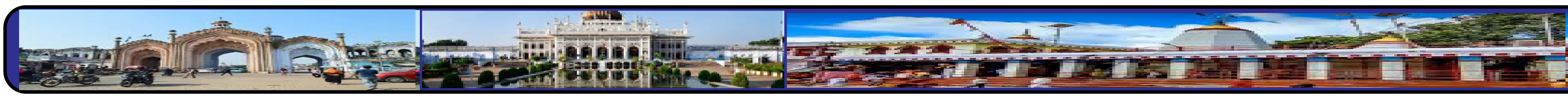

सघन पल्स पोलियो महाअभियान को सीएमओ ने की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सघन पल्स पोलियो महाअभियान -08 दिसम्बर, 2024 के सफल संचालन किया गुरुवार तैयार करने हेतु सभी आवश्यक प्रपत्र दिये जा चुके है। ब्लाक स्तर पर ऊऊइँ/ऊइ बैठक, वैक्सीनेटर एवं सुपरवाइजर का प्रशिक्षण समय से सहयोग की अपेक्षा की गईप्रभारी मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निम्नलिखित निर्देश दिये गये- 1. अभियान मुख्य रूप से स्वास्थ्य

को प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर/उप मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पूर्ति विभाग के अधिकारी, एस0एम0ओ0 डब्लू0एच0ओ0, यूनिसेफ प्रतिनिधि एवं सामु0/ प्रा0स्वा0 केन्द्र के अधीक्षक / प्रभारी चिकित्साधिकारी उपस्थित थे बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन द्वारा अभियान से संबंधित तथ्य रखे। पल्स पोलियो अभियान 10 दिसम्बर, 2024 चरण के तैयारियों के बारे में बताया कि टाइमलाइन के अनुसार सुपरवाइजर के साथ माइक्रोप्लान समीक्षा बैठक कर ली गयी है। जनपद स्तर पर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। समस्त अधीक्षक / प्रभारी चिकित्साधिकों को माइक्रोप्लान पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। पल्स पोलियो अभियान सम्बन्धित आगामी समस्त गतिविधियों को टाइमलाइन के अनुसार पूर्ण कर लिया जायेगा।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया कि पल्स पोलियो अभियान 10 दिसम्बर, 2024 चरण हेतु कुल घरों का लक्ष्य-317939, कुल 0-5 वर्ष तक के बच्चों का लक्ष्य-304194 तथा 1092 फिक्सड बूथ बनाये गये है। हाउस-टू-हाउस 698 टीम तथा 7 मोबाइल टीम बनाये गये है। एस0एम0ओ0, डब्लू0एच0ओ0 ने अपने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन द्वारा एप्ध्-अमसे, 2024 चरण, के बारे में विस्तार से बताया। पल्स पोलियो अभियान दिसम्बर, 2023 चरण में पाई गई कमियों के संदर्भ में विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी तथा कमियों को दूर कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा पल्स पोलियो अभियान में अन्य विभागों से विभाग, बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग की संयुक्त जवाबदेही से चलेगी अतः तीनों विभागों को गम्भीरतापूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। 2. अभियान के दौरान संध्याकालीन समीक्षा बैठकों में ण्ज्ञध् द्वारा भी प्रतिभाग किया जाए एवं बैठक में प्राप्त फीडबैक में पाई जाने वाली कमियों को दूर कर सुधारात्मक कार्यवाही किये जाए। 3. बूथ दिवस के दिन समस्त प्रा0विद्यालय खुले रहेगें एवं अध्यापक उपस्थित होकर बुलावा टोली के द्वारा बच्चों को मोबलाइज करके बच्चों को बूथ पर लाने का प्रयास करेगें। 4. बूथ दिवस के दिन सभी ऑगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सुपरवाइजर बूथ पर उपस्थित रहेगीं एवं बच्चा को बुलाने में मदद करेंगी। 5. समस्त अधिकारियों/कर्मचारियो को निर्देशित किया गया कि जो भी कमियां पाई गई है उस पर अभियान से पूर्व आवश्यक कार्यवाही करते हुए अभियान को सफल बनाना सुनिश्चित करें।

शांति एवं सुरक्षा-व्यवस्था बनाये रखने को बलवा ड्रिलठ का किया गया पूर्वाभ्यास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस लाइन में अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने व किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से निपटने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी सदर संजीव कटियार के पर्यवेक्षण में शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स चुर्क, सोनभद्र में पुलिस टीम को दंगा/बलवा निरोधक उपकरणों का प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया गया। पुलिस बल के कर्मियों को विभिन्न प्रकार के शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया व पुलिस बल को दंगाईयों से निपटने के लिए विभिन्न तरीके सिखाये गये। अभ्यास के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के विभिन्न तरीकों के साथ लाठी चार्ज/आँसू गैस के गोले और दंगाईयों पर रबर के गोले/एंटी राइट गन/रबर बुलेट गन / टीयर गैस गन / हैंड ग्रेनेड / मिर्ची बम आदि शस्त्रों को चला कर पूर्वाभ्यास किया गया साथ ही विभिन्न टीमें बनाकर दंगा नियत्रंण हेतु अमल में लाये जाने वाले सभी विधिक प्रावधानों का क्रमवार अभ्यास कराया गया। इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक नदीम व लाइन के अन्य अधि0/कर्म0गण मौजूद रहें।

दुष्कर्म के दोषी बब्बू विश्वकर्मा को 10 वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सात वर्ष पूर्व 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी बब्बू विश्वकर्मा उर्फ लालबाबू को 10 वर्ष की कैद एवं 65 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 50 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 16 दिसंबर 2017 को रॉबर्ट्सगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 12 दिसंबर 2017 को शाम 3 बजे उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी को रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के सिल्थम गांव निवासी बब्बू विश्वकर्मा उर्फ लालबाबू पुत्र रामचरन बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया। इस तहरीर पर पुलिस ने 16 दिसंबर 2017 को एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 8 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी बब्बू विश्वकर्मा को 10 वर्ष का कारावास एवं 65 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 50 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगा। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

एसबीए चुनाव कार्यक्रम घोषित,10 दिसंबर से मिलेगा पर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बहु प्रतीक्षित सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के वर्ष 2024-2025 के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा शुक्रवार को हो गई। 10 दिसंबर से जहां पर्चा की बिक्री शुरू हो जाएगी, वहीं 17 दिसंबर को टेंडर मतदान और 20 दिसंबर को वोट डाला जाएगा। 21 दिसंबर को मतगणना के साथ ही विजयी पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी। जिससे चुनावी सरगर्मी तेज हो गई और अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों द्वारा जन संपर्क भी तेज कर दिया गया है। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के मुख्य चुनाव अधिकारी शशि कुमार मिश्र एडवोकेट ने वर्ष 2024- 2025 के चुनाव कार्यक्रम के बाबत बताया कि अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष समेत 23 पदों के लिए चुनाव कराया जाएगा। इसके लिए 10 व 11 दिसंबर को पर्चा का वितरण दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच किया जाएगा। पर्चा 11 व 12 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच जमा किया जाएगा। प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन 13 दिसंबर को पूर्वान्ह 11 बजे किया जाएगा। पर्चा पर आपत्ति 13 दिसंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच तथा उसी दिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच पर्चा की जांच और आपत्ति निस्तारण किया जाएगा। वैध पर्चा का प्रकाशन 13 दिसंबर को दोपहर 3 बजे होगा। पर्चा वापसी 13 दिसंबर को दोपहर 3 बजे से 4 बजे के बीच और अंतिम वैध पर्चा का प्रकाशन उसी दिन दोपहर बाद 4:30 बजे किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्याशियों के बीच मतदाता सूची का वितरण 16 दिसंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच में किया जाएगा। लेकिन मतदाता सूची सिर्फ जिन पदों पर वोट डाला जाएगा उन्हीं प्रत्याशियों को दी जाएगी। जो वकील मतदाता वोटिंग के दिन बाहर रहेंगे उनकी सुविधा के लिए 17 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच टेंडर मतदान कराया जाएगा। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के साथ 20 दिसंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से शाम 4:30 बजे तक वोट डाले जाएंगे। वहीं 21 दिसंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से मतगणना कराई जाएगी और उसी दिन विजयी पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि मतदान और मतगणना के दिन दोपहर 1 बजे से 1:30 बजे के बीच भोजनावकाश रहेगा।

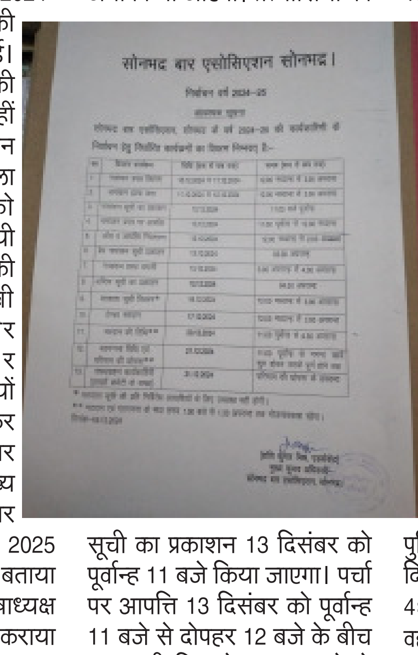
सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र।

पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र द्वारा प्रतिदिन की भांति जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश-इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थानों पर सुनी जा रही जन शिकायतें- प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक- 06.12.2024 को अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

थाना बभनी पुलिस ने दो नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियों तथा अवैध मादक पदार्थो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक आप0 सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के नेतृत्व में दिनांक-05.12.2024 को थाना बभनी पुलिस द्वारा म्योरपुर थाना क्षेत्र के बार्डर चेकिंग के दौरान दो नफर अभियुक्त के कब्जे से दो बैग में कुल 14 किग्रा गांजा व एक अदद मोबाईल व एक अदद मो0सा0 बिना नम्बर प्लेट अपाचे 160 आरटीआर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना बभनी पर मु0अ0सं0-160/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। **गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-** 1.शिवम सोनकर उर्फ सोनू पुत्र रमेश सोनकर निवासी ग्राम शुक्लहा चौराहा, थाना कोतवाली देहात, जनपद मिर्जापुर उम्र करीब 21 वर्ष। 2.विशाल शर्मा पुत्र सत्यनरायन शर्मा निवासी मोहल्ला रानीबाग कच्ची सड़क, थाना कोतवाली कटरा, बाजीराव जनपद मिर्जापुर उम्र करीब 19 वर्ष। **बरामदगी का विवरण-** 1.गांजा कुल 14 किलोग्राम बरामद 4.घटना में प्रयुक्त एक अदद मोबाइल। 5.घटना में प्रयुक्त एक अदद मो0सा0 बिना नम्बर प्लेट अपाची 160 ँऊँ। **गिरफ्तार करने वाली टीम** 1.प्र0नि0 सदानन्द राय, थाना बभनी जनपद सोनभद्र। 2.उ0नि0 शशिकान्त सिंह, थाना बभनी जनपद सोनभद्र। 3.हे0का0 प्रदीप सिंह, थाना बभनी जनपद सोनभद्र। 4.हे0का0 अशोक कुमार, बिन्द थाना बभनी जनपद सोनभद्र। 5.हे0का0 मो0 सलीम, थाना बभनी जनपद सोनभद्र।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ईकाई के संरक्षिका सदस्यों ने विद्यालय में बच्चों को शीत वस्त्र दिए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।गुरुवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ईकाई आरएचटीपीपी रिहन्द के बल सदस्यों एवं संरक्षिका सदस्यों के द्वारा एनटीपीसी संयंत्र के सटे गांव सिरसोती में स्थित कम्पोजीक मध्य विद्यालय सिरसोती के छात्र-छात्राओं को शीत वस्त्र/स्वेटर का वितरण किया गया। जिससे इस विद्यालय के लगभग 250 छात्र-छात्राओं लाभान्वित हुए। शीत वस्त्र/स्वेटर को पहनकर छात्र -छात्राओं के चेहरे पर खुशी का लहर चमक उठी। सिरसोती विद्यालय के प्रधानाचार्य कौशल्या देवी/ शिक्षक विवेक श्रीवास्तव का कहना है कि एक रंग का स्वेटर हमारे छात्र-छात्राओं को शीत से बचाव के साथ हमारे विधालय का ड्रेस कोड भी एक समान करने हेतु केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सभी सदस्यों को तहेदिल से धन्यवाद देता हूं। आपको बताते चलें कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ईकाई आरएचटीपीपी रिहन्द द्वारा बल मुख्यालय के आदेशानुसार इस विधालय को गोद ले रखा है।इस कार्यक्रम में उपस्थित सिरसोती ग्राम प्रधान विजय सिंह गोड़ कि कहना है केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ईकाई आरएचटीपीपी रिहन्द द्वारा आज ही नहीं विर्गत वर्षा से इस विधालय के अलावा हमारे गांव सिरसोती एवं आस-पास के एरिया में ण्घ्ए्इ द्वारा संयत्र के निपुण सुरक्षा के साथ निरन्तर सहयोग देता रहा है जिसके लिए ण्घ्ए्इ के क्रमिक को धन्यवाद देता हूं।इस कार्यक्रम केऔसुब के संरक्षिका अध्यक्षा संगीता वर्मा के कुशल नेतृत्व में किया गया।इस कार्यक्रम में उपस्थित केऔसुब ईकाई रिहन्द के उप कमांडेंट प्रदीप कुमार (ईकाई प्रभारी) वहां पर उपस्थित छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, विधालय शिक्षको,को संबोधित करते हुए कहा कि इस विधालय के छोटे नन्हे बच्चे हमारे देश के आने वाले कल का भविष्य है। हर संभव हमारे ईकाई से सहयोग का आश्वासन देता हूं। वहां उपस्थित सभी विधालय के शिक्षक को धन्यवाद किया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायता/कमांडेंट/अग्नि आलोक कुमार चौधरी,सभी निरीक्षक,बल सदस्यों, संरक्षिका सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति फेज-5.0 के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जनपद में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु "मिशन शक्ति फेज-5.0" के अन्तर्गत जिलाधिकारी महोदय के आदेशानुसार आज पूर्वाहन को "कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013" पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रोबेशन कार्यालय कलेक्ट्रेट में इन्द्रावती कुमारी प्रोबेशन अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। प्रोबेशन अधिकारी द्वारा कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीडन अधिनियम 2013 अभिमुखीकरण कार्यक्रम में उपस्थित महिला कर्मचारियों को कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के अन्तर्गत विभागों में गठित आंतरिक समिति एवं जनपद,तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर गठित स्थानीय परिवाद समिति के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न होने पर उपरोक्त समितियों में शिकायत की जा सकती है। उपस्थित सभी कर्मचारियों को यौन हिंसा,लैंगिक असमानता,घरेलू हिंसा,भ्रूण हत्या तथा दहेज हिंसा आदि के सम्बन्ध में सरंक्षण,सुरक्षातंत्र,सुझावों,एवं सहायता के लिए संबोधित किया गया। केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह एवं ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य,स्पॉन्सरशिप योजना,वन स्टाप सेंटर,निराश्रित महिला पेंशन, उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष एवं विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर-181, 1098, 112, 1090, 1076 आदि की विशेष रूप से जानकारी दी गयी। इस अवसर पर प्रोबेशन अधिकारी इन्द्रावती कुमारी, केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह, संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी नेहा अग्रहरी, सदस्य शीला सिंह ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे, सुपरवाइजर सुधा गिरी,केसवर्कर सीमा शर्मा, केसवर्कर तनू सिंह, प्रियंका सिंह, विपिन कुमार कन्नौजिया, विजय कुमार, राजपति आदि उपस्थित रहे।

बीएसपी कार्यकर्ताओं ने मनाया पर निर्माण दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में परम पूज्य बोधिसत्व विश्व भूषण भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया सोनभद्र के बढौली चौराहे पर बसपा जिलाध्यक्ष बी सागर साहब के नेतृत्व में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर श्रद्धा सुमन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोद बागड़ी साहब मुख्य मंडल इंचार्ज मिर्जापुर मंडल रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में अविनाश शुक्ला मुख्य मंडल इंचार्ज मिर्जापुर मंडल माननीय प्रेमनाथ गौतम जिला प्रभारी सोनभद्र रहे। मंडल स्तरीय श्रद्धांजलि कार्यक्रम मिर्जापुर में डंगरहर में आयोजित किया गया है सभी कार्यकर्ता बढौली चौराहे से मिर्जापुर के लिए जिलाध्यक्ष बी सागर साहब का नेतृत्व में प्रस्थान किया। मुख्य अतिथि विनोद बागड़ी साहब ने कहा कि कमजोर पिछड़े एवं अन्य उपेक्षित वर्गों के मसीहा विश्व भूषण भारत रत्न भारतीय संविधान निर्माता परम पूज्य बोधिसत्व बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का योगदान भुलाया नहीं जा सकता है बाबा साहब ने जीवन पर्यंत दवे कुछले असहाय लोगों के लिए संघर्ष करते रहे नारियों के मान सम्मान के लिए उनके हक अधिकार को दिलाने का काम किया सर्व समाज के लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सामाजिक राजनीतिक आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखकर सम्मान दिलाया। अविनाश शुक्ला ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने के अथक प्रयासों से पशु समान जीवन बिताने वाले मानव जिनको इंसान होने के बाद भी इंसान नहीं समझा जाता था उन्हें भी इंसान बनने का काम एक वोट का अधिकार दिलाकर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने किया जिन्हें आने वाली पीढ़ी युगों युगों तक याद करती रहेगी बाबा साहब सभी के दिलों में आजीवन जीवित रहेंगे।बसपा जिलाध्यक्ष बी सागर ने कहा कि भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संघर्षों को दलित शोषित वंचित समाज पिछड़ा समाज अल्पसंख्यक समाज व सर्व समाज हमेशा याद करता रहेगा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के पद चिन्हों पर चलकर मसीहा मान्यवर कांशीराम साहब ने बहुजन समाज पार्टी की स्थापना कर बाबा साहब के कारवां को आगे बढ़ने का एक प्लेटफार्म देने का काम किया आज बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर व मान्यवर कांशीराम साहब के करवा को आगे बढ़ाने के लिए बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती भारत के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रही जिन्होंने बाबा साहब के सपने को साकार करने के लिए बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर स्मारक लखनऊ में बनाकर बहुजनों के दिलों में जिंदा रखने का काम किया है प्रदेश के कई जिलों में बाबा साहब के नाम से यूनिवर्सिटी महाविद्यालय कॉलेज विद्यालयों को बना करके बाबा साहब के नाम से गांव में तमाम योजनाओं चला करके संतो गुरु महापुरुषों के सपनों को साकार करने का काम किया है बहुजन समाज पार्टी ही दलित शोषित वंचित समाजों के लिए काम करने का काम किया है बहन कुमारी मायावती के कथनी व करनी में कोई अंतर नहीं है अविनाश शुक्ला को मुख्य मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल बनाए जाने पर बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है जिलाध्यक्ष बी. सागर ने माला पहना करके स्वागत किया बारी-बारी से सभी कार्यकर्ताओं ने बधाई देने का तांता लगा रहा। बहन कुमारी मायावती के द्वारा बनाए जाने पर आभार प्रकट किया।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित लोगङङङ ओपी मौर्य रामविचार गौतम जमुना कुमार चौधरी डॉ रामअवतार चौहान रामचंद्र रत्ना राम लखन देहाती गोपाल दास कौशल बलवंत रंगीला अवधेश विश्वकर्मा अमन मौर्य अशोक सागर प्रभु भारती अंबेडकर भारती रविंद्र भारती प्रधान पवन प्रधान संदीप भारती बाबूराव प्रजापति मुन्ना भारती नारद राव चुनमुन प्रधान जनार्दन पटेल सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित है।

स्पोर्ट्स

पिता को आर्थिक तंगी से रोते देख नीतीश ने क्रिकेटर बनने की ठानी, संघर्ष कर इस तरह बने देश के गौरव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पर्थ में विराट के साथ साझेदारी के दौरान मैं यही सोच रहा था कि वह अब शतक से 10 रन दूर हैं, अब पांच रन दूर हैं। मुझे अपने पहले अर्धशतक का ख्याल तक नहीं था। पर्थ टेस्ट में अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ने वाले नीतीश कुमार रेड्डी शुरुआती दिनों में इस खेल के प्रति गंभीर नहीं थे, लेकिन एक दिन उन्होंने आर्थिक तंगी से जूझ रहे अपने पिता की आंखों में आंसू देखे। बस इसके बाद उन्होंने कुछ करने की ठानते हुए इस खेल को अपना लिया। उन्होंने क्रिकेटर बनने के लिए खूब मेहनत की। उनकी यह मेहनत आईपीएल में रंग लाई और उन्हें पर्थ में भारत के लिए पहला टेस्ट खेलने का मौका मिला। नीतीश ने पर्थ में 41 और 38 रन की पारियां खेलीं और एक विकेट भी लिया। बीसीसीआई की ओर से जारी वीडियो में नीतीश बताते हैं, 'अगर ईमानदारी से कहूं तो जब वह छोटे थे तो क्रिकेट के प्रति गंभीर नहीं थे। पिता ने मेरे लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। मेरी सफलता के पीछे उनका बहुत बड़ा त्याग छुपा है। हम लोग उस दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। मुझे लगा, मैं ऐसा नहीं हो सकता हूं, मेरे पिता त्याग कर रहे हैं और मैं सिर्फ मजे के लिए क्रिकेट खेल रहा हूं। उस समय मैं क्रिकेट के प्रति गंभीर हुआ और खूब मेहनत की। इसके बाद मैं सफलता की सीढ़ियां चढ़ता गया। एक मध्यम वर्गीय परिवार से होने के नाते, मुझे गर्व है कि मैं अपने पिता को खुश कर पाया। मैंने जब अपनी पहली जर्सी अपने पिता को दी तो उनके चेहरे पर खुशी देखते बनती थी।' 2018 में नीतीश ने बीसीसीआई अवॉर्ड नाइट के दौरान विराट और उनकी पत्नी अनुष्का के साथ सेल्फी ली थी। नीतीश बताते हैं कि मैं बचपन से विराट भइया का बड़ा प्रशंसक हूं। मैं उनका हर मैच देखता था। मुझे उनका शतक के बाद जश्न मनाने का अंदाज पसंद था। उस दौरान मैं अपनी उम्र की गणना करता था कि जब मैं भारत के लिए खेलूंगा तो वह कहीं संन्यास तो नहीं ले लेंगे। आज मैं उनके साथ खेल रहा हूं। पर्थ में उनके साथ साझेदारी के दौरान मैं यही सोच रहा था कि वह अब शतक से 10 रन दूर हैं, अब पांच रन दूर हैं। मुझे अपने पहले अर्धशतक का ख्याल तक नहीं था।ऑस्ट्रेलियाई टीम पर फतेह पाने के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने गुलाबी गेंद से होने जा रहे एडिलेड टेस्ट में अपने नियमित ओपनिंग क्रम का बलिदान कर दिया है। खुद रोहित ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि शुक्रवार से शुरू हो रहे दिन-रात्रि के टेस्ट में वह नहीं बल्कि पर्थ टेस्ट की विजयी जोड़ी यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ओपनिंग करेगी। वह मध्यक्रम में उतरेंगे। हालांकि, रोहित ने यह नहीं बताया कि वह किस क्रम पर उतरेंगे, लेकिन माना जा रहा है कि वह नंबर पांच पर बल्लेबाजी करने आ सकते हैं, जबकि ऋषभ पंत नंबर छह पर उतर सकते हैं। रोहित 2019 से टेस्ट में ओपनिंग कर रहे हैं, इस बदलाव ने उनके टेस्ट जीवन को नया मोड़ दिया था। भारतीय टीम अब एडिलेड ओवल में गुलाबी गेंद से ऑस्ट्रेलियाई टीम के वर्चस्व को तोड़ने उतरेगी। ठीक उसी तरह जैसे उसने पर्थ के ऑप्टस ओवल में कभी नहीं हारने वाले ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम एडिलेड में भी कभी गुलाबी गेंद से टेस्ट नहीं हारी है

आईसीसी ने मानी पाकिस्तान की शर्त, 2027 तक लागू रहेगा हाइब्रिड मॉडल, विश्व कप के लिए भारत नहीं आएगी टीम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत अगले साल अक्तूबर में महिला वनडे विश्व कप और श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से 2026 पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। इसका अर्थ यह है कि अब पाकिस्तान की टीम भी टी20 विश्व कप के लिए भारत के दौरे पर नहीं आएगी। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में ही होगा। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से जुड़े एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई को इसकी जानकारी दी। बताया गया कि भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। हालांकि, आईसीसी ने पीसीबी की उस शर्त को मान लिया है जिसमें उसने 2031 तक इसी तरह की व्यवस्था की मांग की थी। आईसीसी ने माना है कि 2027 तक हाइब्रिड मॉडल लागू रहेगा। आईसीसी के सूत्र ने पीटीआई को बताया कि वैश्विक संस्था ने 2027 तक अपने सभी टूर्नामेंट के लिए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताई है। इस दौरान भारत अगले साल अक्तूबर में महिला वनडे विश्व कप और श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से 2026 पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। इसका अर्थ यह है कि अब पाकिस्तान की टीम भी टी20 विश्व कप के लिए भारत के दौरे पर नहीं आएगी।

पर्थ में यशस्वी ने जमकर की थी धुनाई, एडिलेड में स्टार्क ने इस तरह लिया बदला, पहली गेंद पर भेजा पवेलियन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दूसरे टेस्ट में जब स्टार्क ने यशस्वी को पहली ही गेंद पर पवेलियन भेजा तो उन्होंने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। वह किसी टेस्ट की पहली ही गेंद पर सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में खेला जा रहा है। यह एक डे नाइट टेस्ट है और पिंक बॉल से खेला जा रहा है। मैच की पहली ही गेंद पर मिचेल स्टार्क ने यशस्वी जायसवाल को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। इस तरह स्टार्क ने पर्थ में उनकी धुनाई और स्लेजिंग का बदला ले लिया। स्टार्क की मैच की पहली गेंद लेग स्टंप पर टप्पा खाकर लेग स्विंग हुई और पैड पर जाकर टकराई। उन्हें नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े राहुल से डीआरएस के लिए बात की, लेकिन राहुल ने मना कर दिया। इस तरह भारत को पहली ही गेंद पर बड़ा झटका लगा। यशस्वी ने पिछले टेस्ट की दूसरी पारी में शतक बनाया था। दरअसल, पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान यशस्वी अपनी शतकीय पारी के दौरान स्टार्क को स्लेज करते दिखे थे। स्टार्क ने यशस्वी को घूर कर देखा तो यशस्वी ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया था। हालांकि, दोनों के बोलने का लहजा हंसी मजाक वाला था। भारत की दूसरी पारी के दौरान 19वें ओवर में स्टार्क ने ऑफ स्टंप के ठीक बाहर फुल लेंथ की गेंद फेंकी, जिससे यशस्वी ने ड्राइव कर बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाया। स्टार्क यशस्वी को घूरने के बाद मुस्कुराए भी। अगली ही गेंद पर यशस्वी ने एक स्ट्रेट शॉट खेला और शानदार डिफेंस दिखाया। उन्होंने स्टार्क को एक स्पष्ट संदेश भेजा कि वह डरे हुए नहीं हैं। इसके बाद भी जब स्टार्क ने उन्हें घूरकर देखा तो यशस्वी ने कहा- आप मुझे बहुत धीमी गति से गेंद फेंक रहे हैं। अब दूसरे टेस्ट में जब स्टार्क ने यशस्वी को पहली ही गेंद पर पवेलियन भेजा तो उन्होंने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। वह किसी टेस्ट की पहली ही गेंद पर सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में पेड्रो कॉलिंस की बराबरी की। दोनों ने तीन-तीन बार ऐसा किया। वगीं, रिचर्ड हेडली, ज्यॉफ आर्नोल्ड, कपिल देव और सुरंगा लकमल दो-दो बार के साथ इस लिस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। स्टार्क के यशस्वी को आउट करने का वीडियो- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। रोहित शर्मा की वापसी हुई है। टॉस के दौरान उन्होंने बताया कि वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करेंगे। यानी केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ही ओपनिंग करते दिखेंगे। वहीं, शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन की भी वापसी हुई है। देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और वॉशिंगटन सुंदर को बेंच पर बैठाया गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी प्लेइंग-11 में एक बदलाव है। जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड की वापसी हुई है। भारतः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, नीतीश कुमार रेड्डी, रविचंद्रन अश्विन, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज। ऑस्ट्रेलियाः उस्मान खाजा, नाथन मैक्स्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड।

रोहित शर्मा से जुड़ा अजब संयोग, 2193 दिन पहले पिछली बार एडिलेड में ही मध्यक्रम में की थी बल्लेबाजी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मध्यक्रम में बल्लेबाजी को लेकर रोहित के साथ एक अजब संयोग भी जुड़ गया है। उन्होंने पिछली बार जब मध्यक्रम में बल्लेबाजी की थी तो वह भी एडिलेड टेस्ट ही था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में खेला जा रहा है। यह एक डे नाइट टेस्ट है और पिंक बॉल से खेला जाएगा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की इस मैच में वापसी हुई है। टॉस के दौरान रोहित ने प्लेइंग-11 में तीन बदलाव की घोषणा की। रोहित के अलावा शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन की वापसी हुई है। कप्तान ने टॉस के दौरान यह भी बताया कि वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करेंगे। यानी वह 2193 दिन बाद टेस्ट में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते दिखेंगे। मध्यक्रम में बल्लेबाजी को लेकर रोहित के साथ एक अजब संयोग भी जुड़ गया है। उन्होंने पिछली बार जब मध्यक्रम में बल्लेबाजी की थी तो वह भी एडिलेड टेस्ट ही था। 2018 में हिटमैन ने टेस्ट में पिछली बार मध्यक्रम में बल्लेबाजी की थी। तब भारतीय टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थी। उस सीरीज का पहला मुकाबला एडिलेड में खेला गया था। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी।

पाकिस्तान का टूटा घमंड, हाइब्रिड मॉडल में होगी चैंपियंस ट्रॉफी, इस शहर में होंगे भारत के मैच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस नतीजे पर पहुंच गया है कि टूर्नामेंट का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में ही किया जाएगा। वहीं, भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में ही होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस नतीजे पर पहुंच गया है कि टूर्नामेंट का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में ही किया जाएगा। वहीं, भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। इसकी जानकारी गुरुवार को आईसीसी के एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई को दी। उन्होंने कहा- गुरुवार को दुबई में अपने मुख्यालय में नए अध्यक्ष जय शाह और पाकिस्तान सहित निदेशक मंडल के बीच एक अनौपचारिक बैठक के दौरान निर्णय को अंतिम रूप दिया गया। सभी पक्षों ने सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी यूएई और पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी। भारत अपने मैच दुबई में खेलेगा। यह सभी हितधारकों के लिए जीत की स्थिति है।चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी-मार्च में आयोजित की जाएगी। पाकिस्तान ने पिछले सप्ताह आईसीसी की बैठक में बहिष्कार की धमकी वापस लेते हुए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताई थी और 2031 तक अपने लिए भी इसी तरह की व्यवस्था की मांग की थी। हालांकि, आईसीसी ने 2027 तक अपने सभी टूर्नामेंट के लिए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताई है। इस दौरान भारत अगले साल अक्तूबर में महिला वनडे विश्व कप और श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से 2026 पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा अगर हाइब्रिड मॉडल लागू नहीं होता तब भी पाकिस्तान को 2026 में भारत की यात्रा करने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ता। सूत्र ने कहा, 2026 पुरुष टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान अपने मैच श्रीलंका में खेलेगा। चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल में आयोजन के कारण पीसीबी द्वारा मांगे गए मुआवजे पर अब भी विचार किया जा रहा है।चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम अब तक जारी नहीं हो पाया है। इसका सबसे बड़ा कारण भारत और पाकिस्तान के बीच जारी गतिरोध है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही आईसीसी को इस बात की सूचना दे दी थी कि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। वहीं, पाकिस्तान किसी भी कीमत पर हाइब्रिड मॉडल के लिए राजी होने को तैयार नहीं था। वहीं, पिछले सप्ताह भी आईसीसी की बैठक में पाकिस्तान ने हाइब्रिड मॉडल को अस्वीकार करने का राग अलापा था। तब आईसीसी ने उन्हें अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद पाकिस्तान को झुकना पड़ा और आईसीसी के निर्देशों को मानना पड़ा। अब उम्मीद है कि क्रिकेट की वैश्विक संस्था जल्द आगामी टूर्नामेंट के कार्यक्रम का एलान कर सकती है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्न रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

पैट कमिंस ने एडिलेड टेस्ट के लिए घोषित की प्लेइंग-11, हेजलवुड की जगह इस गेंदबाज को मिला मौका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीरीज के पहले मैच में चोटिल होने के बावजूद ऑलआउंडर मिचेल मार्श टीम में जगह बरकरार रखने में सफल रहे हैं। हेजलवुड चोट के कारण दूसरे मैच से बाहर हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भारत के खिलाफ शुक्रवार से होने वाले एडिलेड टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलिया ने टीम में सिर्फ एक बदलाव किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला डे-नाइट होगा और पिंक गेंद से खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल सीरीज में 0-1 से पीछे चल रही है और उसकी कोशिश दूसरे टेस्ट से वापसी करने की होगी। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ टेस्ट के मुकाबले टीम में एक बदलाव करते हुए तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को प्लेइंग-11 में शामिल किया है। वहीं, सीरीज के पहले मैच में चोटिल होने के बावजूद ऑलआउंडर मिचेल मार्श टीम में जगह बरकरार रखने में सफल रहे हैं। हेजलवुड चोट के कारण दूसरे मैच से बाहर हैं। बोलैंड पहले से ही दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 13 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। बोलैंड ने 2023 एशेज सीरीज के बाद से टेस्ट टीम में वापसी की है। हेजलवुड के चोट के कारण बाहर होने के बाद अनकैप्ड गेंदबाज सीन एबॉट और ब्रेंडन डोगेट को टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी आक्रामण को धार देने के लिए बोलैंड को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया। बोलैंड के साथ मिचेल स्टार्क, कमिंस और मार्श तेज गेंदबाजी आक्रमक का जिम्मा संभालेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम में पहले टेस्ट मैच में मिली हार के बाद कथित तौर पर दरार की खबरें सामने आई थी। माना जा रहा था कि मैच के दौरान हेजलवुड के बयान के बाद इसे हवा मिली और यही कारण है कि इस तेज गेंदबाज को बाहर किया गया। टीम में दरार की खबरों के कमिंस सहित कई खिलाड़ियों ने खारिज किया। बोलैंड का एडिलेड में पिंक बॉल से यह दूसरा टेस्ट मैच होगा। इससे पहले वह 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में शामिल थे जहां उन्होंने तीन विकेट झटके थे। इस तेज गेंदबाज का भारत के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है। उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 105 रन देकर पांच विकेट लिए थे और ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। उस्मान खाजा, नाथन मैक्स्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड।

सम्पादकीय

इतिहास के मिथ्याकरण का रोग, सत्य किसी की हानि नहीं करता

बीते दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री भी कह चुके हैं, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई बन जाती है। वे लोग एक रह ही नहीं जाते। उनके स्वर विपरीत होने लगते हैं, जिससे एक-दूसरे को उपयुक्त रूप से नहीं समझ पाते। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। भारतीय सभ्यता के शत्रु यह विषय अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने और काल्पनिक बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास के पठन-पाठन के लिए चेष्टा कर रहे हैं। इतिहास की पाठ्यपुस्तकें बनाने में लगे विद्वान मिशेल दानीनो ने देश के कुछ स्कूली शिक्षकों से संवाद किया। इसमें उन्होंने अनेक गंभीर प्रश्नों का सामना किया। एक शिक्षक ने पूछा कि 'विवादित मुद्दों पर बच्चों को कैसे पढ़ाएं? उदाहरण के लिए आजादी पाने में महात्मा गांधी और भगत सिंह की भूमिका? क्या यह कहना ठीक है कि राजनीति में अहिंसा की विजय हुई?' दानीनो के अनुसार शिक्षक को फैसला देने वाला जज नहीं बनना चाहिए। किसी ऐतिहासिक व्यक्ति की निंदा या प्रशंसा से बचें। छात्रों के समक्ष अधिकाधिक तथ्य रखना ही उपयुक्त है, ताकि छात्रों में सत्य के अन्वेषण के प्रति रुचि पैदा हो। किसी भी मुद्दे पर भरपूर तथ्यों को जानने के बाद वह अपना मत स्वयं बनाने के लिए स्वतंत्र रहें। इसीलिए, यहां सम्राट अशोक या सिकंदर को 'महान' कहना अनावश्यक है। उससे मुश्किलें पैदा होती हैं। केवल उन ऐतिहासिक व्यक्तियों के कार्य एवं विचार प्रमाणिक रूप से सामने रख देना उचित है। इसी तरह, असुविधाजनक तथ्यों की लीपापोती भी अनुचित है। जैसे, भारतीय इतिहास में हजारों मंदिरों का विध्वंस अथवा समाज में चल रहा जातिगत भेदभाव। ठोस तथ्यों को सामने रखना न केवल सही शिक्षा है, बल्कि उसी से लोगों के बीच विश्वास और सद्भाव बनता है, क्योंकि सत्य किसी की हानि नहीं करता। जबकि मिथ्याकरण से संदेह, द्वेष और छल का अंतहीन क्रम बनता है, जिससे देर-सबेर समाज की हानि होती है। किसी घटना या व्यक्ति के बारे में अधिकाधिक और प्रमाणिक तथ्य रखना ही लेखक या शिक्षक का कर्तव्य है। उनसे किसी प्रश्न पर पाठक स्वयं उत्तर निकालेंगे। यह पद्धति ज्ञानवर्धक एवं रुचिकर होगी। दुर्भाग्यवश स्वतंत्र भारत में इतिहास शिक्षा राजनीति से ग्रस्त होती गई। इससे मिथ्याकरण को बढ़ावा मिला। हमारे अभिलेखागारों में तमाम दस्तावेज और पांडुलिपियां अनछुई हैं। युवा शोधकर्ताओं तथा छात्रों को उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अध्ययन से पता चलेगा कि तमाम प्रचलित निष्कर्ष निराधार हैं, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्य से प्रचारित किया गया। जबकि सच्ची बातों और कटु स्मृतियों का दमन हुआ। हालांकि ऐसी स्मृतियां मिटती नहीं। कालांतर में वे किसी भी रूप में ज्वालामुखी होकर फटती हैं। अज्ञेय ने कहा था, 'जबरन दमित करने से कुछ स्मृतियां प्राकृतिक रूप से लुप्त नहीं हो पातीं। उलटे उनमें ऊर्जा का ऐसा संचय होने लगता है, जिसके परिणाम अपूर्वानुमेय हो जाते हैं।' कुछ विद्वान मानते हैं कि कोई संपूर्णतः वैज्ञानिक या वस्तुगत इतिहास नहीं होता। हर लेखन में लेखक के कुछ आग्रह, पूर्वाग्रह या भूल होती ही है। भारतीय इतिहास में भी कई बड़े नेताओं के विचार और उनके व्यक्तिगत राग-द्वेष हैं। देश-विभाजन जैसे आकस्मिक फैसले से लाखों-करोड़ों लोगों की बेहिसाब हानि हुई। उसके अन्य क्रमिक परिणामों का बहीखाता भी खासा मोटा है। उनके तथ्य और सबक गंभीरता से जानने, समझने और विचार करने योग्य हैं। इसके बदले केवल गुलाबी रंग की अर्धसत्य जीवनियां पढ़ाना नितांत अहितकर है। इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है। युवा पीढ़ी को मात्र लफ्फाजी में उलझाए रखने वाले साहित्यकार, इतिहासकार और नेता गलती करते रहे हैं। कठोर वास्तविकताएं, अप्रिय प्रवृत्तियां भी मानव जीवन का अभिन्न अंग रही हैं। सच्ची शिक्षा पलायनवादी नहीं हो सकती। यथार्थ इतिहास और जनजीवन में राजनीतिक उद्देश्यों से काट-छांट, रंग-रोगन करना अंततः हानिकर साबित होता है, लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है। तब किनसे भावी पीढ़ियां कुछ सीख सकेंगी? असंख्य प्रसंगों एवं व्यक्तित्वों के विषय में जानकारी पर मानो ताला लगाए रखा गया है।

चीन-नेपाल की नजदीकी का क्या है मतलब ड्रैगन की नापाक चाल

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी पहली विदेश यात्रा पर चीन पहुंच गए हैं। इस यात्रा को नेपाल को चीन के और नजदीक ले जाने का सूचक माना जा रहा है, क्योंकि परंपरागत तौर पर नेपाल के नए प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा पर भारत आते रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विरोध और चीन से मित्रता ओली की व्यक्तिगत रुचि रही है। ओली हमेशा चीन के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने भारत विरोध का सहारा लेकर ही अपनी राजनीति मजबूत की है, फिर चाहे वह 2015 में की गई सीमा की नाकाबंदी हो, 2019 में सीमा-विवाद का राजनीतीकरण करना हो या फिर नेपाल का एक विवादित नक्शा लाना हो, जिसमें नेपाल ने भारत के कुछ संप्रभु क्षेत्रों को अपना दिखाया। ओली का राजनीतिक झुकाव चीन की ओर होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उनकी इस यात्रा को नेपाल का भारत से दूर जाना मान लेना भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति को कमजोर करार देने के बराबर है। तथ्य बताते हैं कि जितनी भी बार ओली और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल (एमाले) ने चीन के साथ समझौते या राजनीतिक संबंधों की वकालत की है, वह मुख्यतः प्रतीकात्मक ही रही है और परिणामों पर कम खरी उतरी है। चूंकि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता एक सामान्य बात है और हर छह-आठ महीनों में एक नई सरकार आती है, ऐसे में हर प्रधानमंत्री का भारत आना नेपाली विदेश नीति के लिए दूसरे पड़ोसी देश की अनदेखा करने का संकेत माना जा सकता है। इससे उसके हित प्रभावित हो सकते हैं। यहां यह भी देखना जरूरी है कि ओली नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ एक गठबंधन वाली सरकार चला रहे हैं और नेपाली कांग्रेस भारत के साथ मजबूत संबंधों की वकालत करती रही है। चूंकि मौजूदा सरकार में विदेश मंत्री नेपाली कांग्रेस से हैं, ऐसे में नेपाली कांग्रेस भारत के साथ इतना बड़ा जोखिम लेने से बचेगी। इसलिए नेपाल दो पड़ोसियों के बीच संतुलित विदेश नीति बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ओली का चीन के प्रति झुकाव नेपाल के लिए फायदे का सबब बना है? उत्तर नकारात्मक ही है, क्योंकि नेपाल और चीन के बीच जितने भी बड़े समझौते पिछले दस वर्षों में हुए हैं, उनमें ज्यादातर ठंडे बस्ते में पड़े हैं और यह बात चीन को सताती रही है। मई 2017 में चीन ने नेपाल के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पर समझौता किया, जिसे चीन की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के तौर पर देखा गया, क्योंकि भारत लगातार बीआरआई के अंतर्गत बने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की आलोचना करता रहा है। बीआरआई समझौते के तहत चीन को नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे वाली तमाम परियोजनाओं में निवेश करना है, जिनमें ट्रांस-हिमालयन बहुआयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क खास है, जो नेपाल को रेल एवं सड़क मार्ग से तिब्बत प्रांत से जोड़ने वाला है। इससे ऐसा लगा कि नेपाल चीन के रास्ते भारत पर अपनी निर्भरता कम करने का मार्ग खोज रहा है, लेकिन करीब सात वर्ष बीत जाने के बाद भी नेपाल में ऐसी एक भी परियोजना लागू नहीं हो सकी है। इसके दो कारण हैं। पहला, नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के चलते परियोजनाओं की पहचान नहीं हो पाई है। दूसरा, नेपाल लगातार चीन से बीआरआई के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए सहयोग वित्तीय सहायता के तौर पर चाहता है। जबकि चीन कर्ज देने में रुचि रखता है। श्रीलंका का उदाहरण देखते हुए नेपाल इससे डर रहा है। बड़े कर्ज के चलते श्रीलंका को अपने हंबनटोटा जैसे बंदरगाह का नियंत्रण चीन के हाथों में देना पड़ा है। अगर नेपाल चीन से कर्ज लेता है तो भविष्य में उसे नेपाल पर दबाव बनाने का अवसर मिलेगा, जो बीआरआई का मुख्य वैश्विक उद्देश्य रहा है। वर्ष 2016 में ओली ने अपनी चीन यात्रा के दौरान उसके साथ परिवहन एवं परिगमन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत नेपाल चीन के छह बंदरगाहों के रास्ते अन्य देशों से व्यापार कर सकता है। नेपाल पूरब में चीन से और तीन ओर से भारत से घिरा हुआ है। वह भारत के बंदरगाहों का उपयोग कर अन्य देशों से व्यापार करता रहा है। यह उसके लिए हर तरह से फायदेमंद है, लेकिन 2015 में भारत के साथ सीमाबंदी का मुद्दा सामने आने के बाद ओली ने चीन को एक विकल्प के तौर पर दिखाने का प्रयास किया। व्यावहारिक तौर पर देखा जाए तो चीन के बंदरगाह नेपाल से कम से कम 3,000 किलोमीटर दूरी पर हैं। जबकि भारत का कोलकाता बंदरगाह मात्रा 700 किलोमीटर दूर है। समझौते के छह साल बाद भी नेपाल ने चीन के बंदरगाहों के रास्ते केवल एक ही बार व्यापार किया है। इसकी वजह यह है कि नेपाल के लिए भारत के रास्ते व्यापार करना आसान और किफायती है। भारत के साथ नेपाल के संबंधों पर प्रकाश डाला जाए तो हाल में नेपाल ने भारत के रास्ते बांग्लादेश को बिजली बेची है, जो क्षेत्रीय सहयोग में एक महत्वपूर्ण पहल है। बांग्लादेश को बिजली बेचने से नेपाल को न केवल आर्थिक फायदा होगा, बल्कि उसके लिए भारत के रास्ते अन्य देशों को भी बिजली बेचने के रास्ते खुलेंगे। भारत और नेपाल पनबिजली क्षेत्र में एक और मजबूत साझेदारी की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसके अलावा आज भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सीमा विवाद जैसे मुद्दे के बावजूद भारत और नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आई है। दोनों देश विज्ञान और तकनीक जैसे नए क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में, इस नतीजे पर पहुंचना सही नहीं होगा कि ओली की चीन यात्रा भारत के लिए बुरी खबर है।

संकट में भारतीय ज्ञान परंपरा, भारत के लिए औपनिवेशिक गुलामी से मुक्ति जरूरी

यद्यपि हमने 15 अगस्त, 1947 को तत्कालीन औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की, किंतु अंग्रेजों की लगभग 200 वर्षों की दासता का दुष्प्रभाव हमारी संस्थाओं, व्यवस्थाओं, राजनीतिक-सामाजिक प्रतीकों एवं जीवनशैली में विद्यमान है। औपनिवेशिक प्रवृत्ति एवं परंपराओं, हमारी शासन व्यवस्था, भाषा, वास्तुकला एवं जीवन के अन्यान्य क्षेत्रों में अब भी मौजूद हैं। तत्कालीन भौगोलिक परतंत्रता अब मानसिक और सांस्कृतिक गुलामी में परिवर्तित हो रही है। वर्तमान परिदृश्य में जब भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम औपनिवेशिक मानसिकता एवं उसके प्रतीकों से मुक्त हों। आज विश्वभर के चिंतक इस बात से सहमत हैं कि गुलामी केवल शारीरिक रूप से किसी देश पर अधिकार जमाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह उस राष्ट्र के जीवन दर्शन एवं मूल्यों को भी प्रभावित करती है। अंग्रेजों ने भारत पर शासन करते हुए सिर्फ भौगोलिक एवं आर्थिक शोषण ही नहीं किया, वरन सामाजिकता, परंपरा, इतिहास और सांस्कृतिक अस्मिता को भी

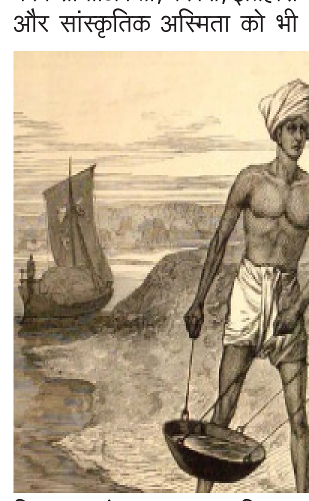

विकृत करने का दुष्प्रयास किया। परिणामस्वरूप ऐसी मानसिकता का विकास हुआ जिसमें भारतीय नागरिक 'स्व' के अस्तित्व को भूलकर पश्चिमी सभ्यतागत विमर्श के अनुगामी बन बैठे। जैसे कि भारत में आज भी अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व है। अंग्रेजी के मुकाबले अन्य भारतीय भाषाओं को हीनता की दृष्टि से देखा जाता है। उच्च शिक्षा, न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक कार्यों में अंग्रेजी का ही बोलबाला है। भारतीय भाषाओं का व्यवहार करने वालों को कमतर आंका जाता है एवं अंग्रेजी बोलने वालों को अधिक योग्य माना जाता है। कई माता-पिता इस बात पर गर्व करते हैं कि हमारा बेटा जिस स्कूल में पढ़ता है वहां एक भी शब्द हिंदी का बोलने नहीं दिया जाता। युवा पीढ़ी न तो अपनी मातृभाषा में लिखने-पढ़ने में सक्षम है और न ही भारतीय साहित्य और ग्रंथों को समझने में। ऐसी स्थिति ने भारतीय ज्ञान परंपरा को संकट में डाल दिया है। अंग्रेजी से हमें परहेज नहीं होना चाहिए, परंतु उसे अपनी मातृभाषा से ज्यादा महत्व देना ठीक वैसे है जैसे अपनी मां के स्थान पर दूसरे की मां को अधिक श्रेष्ठ मानना। आज संपूर्ण जीवनशैली में पश्चिमी बातों का अंधानुकरण करना एक 'स्टेटस सिंबल' सा बन गया है। परंपरागत व्यंजनों के प्रति हमारी रुचि कम हो रही है एवं पाश्चात्य व्यंजन हमारी थाली की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हम जो फादर्स-मदर्स-ब्रदर्स-सिस्टर्स-वैलेंटाइन डे आदि मनाते हैं, यह तो हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं, अपितु पाश्चात्य संस्कृति की भोंडी नकल हैं। हमारे लिए तो जीवन का प्रत्येक क्षण इन रिश्तों में आत्मीयता हेतु समर्पित था। हम अपनी प्रकृति-प्रेमी जीवनशैली से विरक्त होकर प्रकृति विरोधी पथ पर अग्रसर हो गए हैं। परिणामतः जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को विवश हैं। संपूर्ण व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित करने वाली गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के बजाय भारतीय शिक्षा प्रणाली आज भी मैकाले द्वारा स्थापित ढांचे पर आधारित है, जिसका उद्देश्य भारतीयों को अंग्रेजी शासन के लिए 'क्लर्क' तैयार करना था। हमारी शिक्षा व्यवस्था आज पश्चिमी ज्ञान को श्रेय देती है एवं भारतीय ग्रंथों, विज्ञान और परंपराओं को हाशिये पर धकेल रही है। इस हेतु हमें भारतीय ज्ञान प्रणाली का नए सिरे से अध्ययन एवं वर्तमान में उनकी उपादेयता पर सघनता से कार्य करना होगा। आज भी भारतीय न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्था ब्रिटिश माडल पर आधारित है। न्यायिक प्रक्रिया अंग्रेजी में होती है, जो आम जनमानस की समझ से परे है। इस दिशा में तेजी से परिवर्तन की आवश्यकता है। भला हो मोदी सरकार का जिसने पहली बार भारतीय न्याय संहिता लागू की। अंग्रेजों ने भारतीयों में यह भावना विकसित की कि हम सभ्यता, ज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र में पश्चिम से कमतर हैं। यहां तक कहा गया कि भारतीयों को सभ्य बनाना अंग्रेजों का अतिरिक्त कर्तव्य है। यह मानसिक गुलामी हमारे विकास में बाधा बन रही है। भारतीय परंपराओं, संस्कारों, रीति रिवाजों, कौशल-विकास परंपरा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था आदि को आधुनिकता के नाम पर त्यागा जा रहा है। युवा पीढ़ी अपनी जड़ों और संस्कृति से अनभिज्ञ होती जा रही है। हम अपने संसाधनों और प्रतिभा का संपूर्ण उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। विदेशी वस्तुओं, तकनीक और सेवाओं पर अत्यधिक निर्भरता आत्मनिर्भर भारत के मार्ग में अवरोध है। ऐसे में यक्ष प्रश्न है कि मानसिक गुलामी से मुक्ति कैसे पाई जाए? औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के लिए देश को व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आध्यात्मिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। यह केवल सरकारी नीतियों तक सीमित नहीं हो सकता, अपितु समाज के प्रत्येक वर्ग को मनसा, वाचा, कर्मणा इस महायज्ञ में आहुति डालनी होगी।

यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच टाला, नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटाई गई

यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच टाला, नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटाई गई नोएडा यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच नहीं करने का फैसला लिया है। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही फिर से शुरू हो गई। यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच नहीं करने का फैसला लिया है। यह निर्णय किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही फिर से शुरू हो गई। किसानों ने अपनी मांगों पर केंद्र सरकार से एक हफ्ते का समय मांगा है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन करेंगे, और अगर एक हफ्ते में उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे फिर से दिल्ली कूच करेंगे। किसानों ने एक हफ्ते का समय लिया किसान संगठनों और तीनों प्राधिकरणों के बीच कई घंटे की बातचीत के बाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण ने किसानों से एक हफ्ते का समय मांगा, जिसे किसानों ने स्वीकार कर लिया। किसानों का कहना है कि वे अब दलित प्रेरणा स्थल पर एक हफ्ते तक इंतजार करेंगे। अगर एक हफ्ते में उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो वे दिल्ली कूच करेंगे। इस बीच, एक्सप्रेस-वे पर बैरिकेडिंग हटा दी गई है और आवाजाही सामान्य हो गई है। अधिकारियों ने किसानों को दिया समाधान का आश्वासन ज्वाइंट सीपी लॉ एंड ऑर्डर नोएडा,

शिवहरि मीना ने कहा, ठकिसानों ने आज 'दिल्ली चलो' मार्च का ऐलान किया था और हम लगातार उनसे संपर्क में थे। किसानों ने अपनी सभी मांगें अधिकारियों के सामने रखी हैं, और अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द किया जाएगा। पवन खटाना का बयान, ठकिसानों के हक के लिए संघर्ष जारी रहेगा भारतीय किसान यूनियन के नेता पवन खटाना ने कहा, ठगौतमबुद्ध नगर के जिन किसानों की ज़मीन गई है, उनके लिए हमारी मुख्य मांग है कि उन्हें 10ज्ञ् विकसित प्लॉट दिया जाए और जिन किसानों को अभी तक पारिश्रमिक नहीं मिला है, उन्हें 64.7ज्ञ् मुआवज़ा दिया जाए। 2013 में गौतमबुद्ध नगर के किसानों ने भूमि अधिग्रहण कानून के लिए संघर्ष किया और उसे पास करवाया, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। न कोई किसान को चार गुना मुआवज़ा मिला है, न ही सर्किल रेट में वृद्धि हुई है। एयरपोर्ट के कारण किसान विस्थापित हो रहे हैं, लेकिन विस्थापन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया। हम तब तक विरोध जारी रखेंगे जब तक नीति में बदलाव नहीं होता। हमने सड़क नहीं रोकी है, प्रशासन ने यह किया है। हम अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे थे, लेकिन प्रशासन ने सड़क रोकी, इसलिए हमें कुछ समय के लिए रुकना पड़ा। किसान नेता सुखबीर खलीफा का बयान, कहा- अन्नदाता' के हक के लिए लड़ेंगे भारतीय किसान परिषद के नेता सुखबीर खलीफा ने कहा, ठहम मजबूत इरादों और पूरी मेहनत और समर्पण के साथ आए हैं, ताकि हमारे 'अन्नदाता' के अधिकारों के लिए संघर्ष कर सकें। किसानों का शोषण हो रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं होने देंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें 10ज्ञ् भूखंड मिलें। हमें आश्वासन मिला है कि सचिव स्तर की बातचीत के बाद हमारी समस्याओं का समाधान होगा। तब तक हम दलित प्रेरणा स्थल पर डेरा डालेंगे। हम न आगे बढ़ेंगे और न पीछे हटेंगे। किसानों की मांग, 10ज्ञ् विकसित भूखंड और मुआवजा भारतीय किसान यूनियन के नेता पवन खटाना ने कहा, ठगौतम बुद्ध नगर के उन किसानों की मुख्य मांग है, जिन्होंने अपनी ज़मीन खो दी, उन्हें 10ज्ञ् विकसित भूखंड और 64.7ज्ञ् मुआवजा मिले, जो अब तक नहीं दिया गया है। 2013 में किसानों ने भूमि अधिग्रहण अधिनियम के लिए संघर्ष किया और इसे पारित कराया, लेकिन यह लागू नहीं हुआ। कोई भी किसान चार गुना मुआवजा नहीं प्राप्त कर सका है और सर्कल रेट में कोई वृद्धि नहीं हुई है। एयरपोर्ट के कारण किसानों का विस्थापन हो रहा है, लेकिन विस्थापन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हम तब तक विरोध जारी रखेंगे जब तक विस्थापन नीति में बदलाव नहीं होता। हम अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे थे, लेकिन प्रशासन ने सड़क को ब्लॉक किया, इस कारण हमने अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।प्रशासन को 7 दिन का अल्टीमेटम, कहा- दलित प्रेरणा स्थल पर जारी रहेगा धरना किसान संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। प्रशासन ने 7 दिन का समय मांगा था, जिसे किसानों ने स्वीकार कर लिया है। इस दौरान दलित प्रेरणा स्थल पर आंशिक धरना जारी रहेगा। किसान नेताओं का कहना है कि यदि 7 दिन के भीतर समाधान नहीं हुआ, तो किसान संगठन फिर से दिल्ली कूच करेंगे। बैरिकेड्स हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल का रास्ता भी खोल दिया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने दी जानकारी अब ट्रैफिक सामान्य हो गया है नोएडा में कानून और व्यवस्था के संयुक्त पुलिस आयुक्त शिवहरी मीना ने कहा, ठकिसानों ने आज 'दिल्ली चलो' मार्च का आह्वान किया था, और हम लगातार उनके साथ वार्ता कर रहे थे। किसानों ने अधिकारियों से अपनी मांगें रखी हैं और अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है। अब ट्रैफिक सामान्य हो गया है।ठ बैरिकेड्स हटाए जाने के बाद फिर से शुरू हुआ ट्रैफिक नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल के पास किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण ट्रैफिक प्रभावित था, लेकिन अब पुलिस ने बैरिकेड्स हटाकर ट्रैफिक को फिर से सामान्य कर दिया है।

केवल हंगामे पर जोर देता विपक्ष हंगामे की भेंट चढ़ा शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह

संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसका अंदेशा पहले से था, क्योंकि कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने अदाणी प्रकरण, मणिपुर की हिंसा के साथ कुछ अन्य मामलों पर जोर देने का एलान कर दिया था। इनमें से एक मामला संभल की हिंसा का भी जुड़ गया, जो संसद सत्र शुरू होने के पहले ही सामने आया। अदाणी प्रकरण भी कुछ दिनों पहले चर्चा में आया था। क्या यह महज एक दुर्योग है कि पिछले कुछ समय से संसद सत्र के पहले कोई न कोई सनसनीखेज मामला सामने आ जाता है? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अतीत में पेगासस जासूसी और अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रपटें संसद का सत्र शुरू होने के पहले ही आईं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अचानक आए ऐसे मुद्दों को लपक लेते हैं। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के चंद दिन पहले अमेरिकी अदालत का यह सनसनीखेज आदेश आया कि अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी की ओर से भारत में सौर ऊर्जा की आपूर्ति के लिए कुछ राज्य सरकारों को रिश्वत दी गई और चूंकि सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अमेरिका के निवेशकों से पैसा लिया गया, इसलिए अमेरिका के कानूनों के तहत इस मामले की जांच अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की ओर से की जा रही है। इस मामले में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर अदाणी और अदाणी ग्रीन एनर्जी के कुछ अधिकारियों को आरोपित किया गया है। न्यूयार्क की अदालत की मानें तो अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 22 सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की रिश्वत दी। अदाणी समूह पहली बार विवादों में नहीं आया। इसके पहले अमेरिकी रिसर्च एजेंसी हिंडनबर्ग की ओर से यह आरोप लगाया गया था कि इस समूह ने अपने शेयरों में हेराफेरी की। यह रिपोर्ट आने के बाद अदाणी समूह को अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन बाद में एक बड़ी हद तक क्षति की भरपाई हो गई, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सही नहीं माना।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा वर्चुअल पौरोहित्य प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। गाजियाबाद उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा आज प्रदेश के विभिन्न जिलों में पौरोहित्य प्रशिक्षण शिविर केंद्रों का उद्घाटन ऑनलाइन एक साथ संपन्न हुआ।जिसमें संस्थान के प्रशिक्षक आचार्य विनय कुमार मिश्रा ने बड़े ही श्रद्धा भाव से मंगलाचरण का पाठ किया। प्रशिक्षक आचार्य घनश्याम द्विवेदी ने संस्थान गीतिका के माध्यम से सभी को भाव विभोर कर दिया।प्रशिक्षक आचार्य नरेश बाबू दीक्षित ने स्वागत भाषण में अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान के सभी पदाधिकारी सभी जनपदों के प्रशिक्षक गण की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सबका स्वागत किया?।मुख्य वक्ता के रूप में प्रशासनिक अधिकारी श्री जगदानंद झा ने कहा कि समाज में पुरोहित की बहुत बड़ी भूमिका है।पुरोहित जन्म से मृत्यु तक के सभी संस्कारों को कराता है।पुरोहित के संबंध परिवारों से व्यक्तिगत होते हैं।पुरोहित परिवार समाज व राष्ट्र को उत्तम बनाने में अपनी भूमिका प्रस्तुत करता है।हमारे धर्म,सब शास्त्रों की रक्षा करते हुए समाज में संस्कारों का ज्ञान देता है।संस्थान के सर्वेक्षक श्री महेंद्र पाठक ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तीन माह तक प्रशिक्षण शिविर के सुचारु रुप से निर्वाध रुप से प्रशिक्षण की सफलता की कामना कीत् निदेशक विनय कुमार श्रीवास्तव तथा प्र.अ. दिनेश कुमार मिश्र ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं तथा धन्यवाद ज्ञापन में गाजियाबाद के प्रशिक्षक डॉ अग्नि देव शास्त्री ने अपने संबोधन में संस्कृत संस्थान के सभी अधिकारियों पदाधिकारियों सभी केंद्र के प्रशिक्षको को धन्यवाद देते हुए कहा कि पुरोहित धर्म का ध्वजवाहक है।कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षक ओमप्रकाश त्रिपाठी ने वैदिक मंत्र का पाठ किया। उपरोक्त वर्चुअल कार्यक्रम का संयोजन संस्थान के दिव्यरंजन एवं शिवम गुप्ता ने किया।उपरोक्त कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रशिक्षक डॉ अखिलेश चंद्र पाठक ने किया।

जीरो पॉइंट पर दिल्ली कूच करते हुए पुलिस ने 120 महिला पुरुष किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा जीरो पॉइंट पर किसानों ने सैकड़ो की संख्या में दिल्ली कूच करते हुए 120 से अधिक की संख्या में गिरफ्तारी दी किसानों ने किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नेता जी के नेतृत्व में गिरफ्तारी दी किसानों ने योगी मोदी मुर्दाबाद प्राधिकरण मुर्दाबाद पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए गिरफ्तारी दी-पुलिस प्रशासन ने 3 दिसंबर को दलित प्रेरणाय स्थल पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। 4 दिसंबर को हजारों की संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों की जीरो पॉइंट पर हुई पंचायत के दबाव में जेल में बंद किसानों को सरकार को रिहा करना पड़ा। संयुक्त किसान मोर्चा की स्टीयरिंग कमेटी ने अधिकारियों से बातचीत कर सहमति बनाई थी की 5 दिसंबर सुबह वार्ता कर आंदोलन के आगे की कार्रवाई एवं वार्ता तय की जाएगी परंतु पुलिस प्रशासन ने पुनः वादा खिलाफी करते हुए रात में ही सुखबीर खलीफा और सोरन प्रधान के नेतृत्व में मौजूद 22 किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था जिससे पूरे जिले में आक्रोश फैल गया और आज सैकड़ो की संख्या में किसान दिल्ली कूच करने के इरादे से जीरो पॉइंट पर पहुंच गए जहां पर मौजूद पुलिस ने दिल्ली मार्च कर रहे किसानों के साथ बदतमीजी की महिलाओं के साथ धक्का मुक्की की। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि पुलिस का दमन उत्पीड़न किसानों में और आक्रोश भर रहा है पुलिस द्वारा किसान नेताओं के परिजनों को परेशान करने से आंदोलन खत्म होने वाला नहीं है गांव-गांव में किसानों ने हजारों की संख्या में गिरफ्तारी देने को तैयार हैं। यह दादरी की वीर जनता है जिसे 1857 की क्रांति में बड़ी संख्या में कुर्बानी दी थी यहां जब भी दमन उत्पीड़न होता है उत्तर प्रदेश की सरकार बदल जाती है योगी सरकार बजाय किसानों को उनका हक देने के उनका उत्पीड़न और दमन करने में जुटी है। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर जिनके नेतृत्व में आज गिरफ्तारी हुई उन्होंने कहा कि हम झुकने वाले नहीं है रुकने वाले नहीं है अपना हक लेकर रहेंगे योगी सरकार चाहे जितने लोगों को जेल में बंद कर दे चाहे जितने मुकदमे किसानों के खिलाफ दर्ज कर ले किसान डरने वाले नहीं है। भारतीय किसान परिषद के नेता उदल आर्य ने कहा कि लड़ाई आर पार की है संकल्प करके आंदोलन शुरू किया था किसानों के शांतिपूर्ण आंदोलन को कुचलना लोकतंत्र पर हमला है बाबा साहब अंबेडकर के संविधान पर हमला है नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है हम हर हमला सहेंगे और अपने अधिकारों को हासिल करके रहेंगे गौतम बुद्ध नगर के किसान योगी सरकार की तानाशाही को झेलते हुए देश के संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा करने का कार्य कर रहे हैं कुवरपाल प्रधान जी ने कहा कि 10 परसेंट का प्लाट किसानों का हक है जिसे सरकार नहीं खा सकती ना ही हम खाने देंगे। संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐलान किया है कि कल 6 दिसंबर 12:00 बजे फिर से सैकड़ो की संख्या में किसान दिल्ली कूच करने के इरादे से सभी किसान 12:00 बजे 0 पाइंट पर पहुंचेंगे।

समाजवादी पार्टी विधानसभा नोएडा की मासिक बैठक में उठा किसानों का मुद्दा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा समाजवादी पार्टी विधानसभा क्षेत्र नोएडा की मासिक बैठक सेक्टर 53 स्थित सपा कार्यालय पर विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान के संयोजन में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश सचिव जय करण चौधरी ने की एवं महानगर महासचिव विकास यादव प्रभारी के रूप में मौजूद रहे । बैठक में नोएडा की विभिन्न समस्याओं पर व्यापक विचार विमर्श किया गया जिसमें प्रमुख रूप से किसान आंदोलन में किसानों की हुई असंवैधानिक गिरफ्तारी, विधानसभा के बूथों पर बूथ अध्यक्षों की नियुक्ति, गांव व सेक्टरों में रुके विकास कार्यों सहित तमाम स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि उत्तरप्रदेश सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। किसान अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे थे लेकिन जिस तरह उनकी गिरफ्तारी हुई वह निंदनीय है। ऐसा लगता है जैसे किसान ना हों कोई आतंकवादी हो। गिरफ्तार किसानों को तुरंत रिहा किया जाए नहीं तो सपा सड़क पर उतरने पर मजबूर होगी। इस अवसर पर सपा के वरिष्ठ नेता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि सपा सरकार में नोएडा में ऐतिहासिक कार्य हुए लेकिन अब विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो चुके हैं। हर गांव और सेक्टर में स्थिति बेहद खराब है। कई शिकायतों के बाद भी अधिकारी समस्याओं के समाधान में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। किसानों के साथ इस सरकार में अन्याय हो रहा है। सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर लोगों की समस्याओं के समाधान में तत्पर हो जाएं। भाजपा सरकार से प्रदेश की जनता परेशान है 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सरकार बनेगी। इस अवसर पर बबलू चौहान ने कहा कि जनता त्रस्त है और अधिकारी मस्त है। जहां सपा सरकार में विकास की गंगा बह रही थी वहीं भाजपा सरकार में विकास पूरी तरह से ठप हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

एनिमल की सफलता के बाद कैसे बदल गईं तृप्ति डिमरी लैला मजनू के सह कलाकार अविनाश तिवारी का खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तृप्ति डिमरी ने 2018 में लैला मजनू के साथ मुख्य भूमिका जमकर ऑफर आए। अविनाश और तृप्ति कथित तौर पर वर्षों से काफा अच्छे दोस्त रहे हैं। हाल ही में, में उनकी सफलता के बाद अभिनेत्री बदल गई है, तो अविनाश ने कहा कि वे पिछले साल एनिमल की की बात करें तो, तृप्ति ने एनिमल के बाद कई प्रोजेक्ट पर काम किया है। उन्होंने 2024 की शुरुआत

में अपनी शुरुआत की थी। इस फिल्म में अविनाश तिवारी उनके सह-कलाकार थे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अविनाश ने खुलासा किया की फिल्म एनिमल के बाद तृप्ति डिमरी कितनी बदली हैं।हॉरर थ्रिलर फिल्म बुलबुल से तृप्ति डिमरी को पहचान मिली थी, लेकिन रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल तृप्ति के करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई है। इस फिल्म ने तृप्ति को रातों रात नेशनल क्रश बना दिया। इसके साथ ही एनिमल के बाद तृप्ति को फिल्मों के एक इंटरव्यू में अविनाश से पूछा गया कि क्या पिछले साल रिलीज हुई एनिमल की सफलता के बाद तृप्ति में कोई बदलाव आया है। एनिमल के बाद तृप्ति ने कई फिल्में की हैं और अब वह बॉलीवुड में एक जाना-माना नाम हैं। दूसरी ओर, अविनाश ने कहा कि उन्हें अभिनेत्री में कुछ आत्मविश्वास दिखाई देता है जो समय के साथ बढ़ा है।हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अविनाश तिवारी से लैला मजनू की सह-कलाकार तृप्ति डिमरी के बारे में पूछा गया कि क्या फिल्म उद्योग रिलीज के बाद एक-दो बार मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ठहम तो जैसे मिलते हैं वैसे ही मिलते हैं। और उन्हें उनमें कोई बदलाव नहीं दिखता।''अविनाश ने कहा कि लोग यह धारणा बनाते हैं कि फ़िल्म की सफलता के बाद अभिनेता बदल जाते हैं। लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अभिनेत्री निश्चित रूप से अपने जीवन का भरपूर आनंद ले रही है। अविनाश ने कहा, ठमैं देखता हूँ कि उसमें एक निश्चित मात्रा में आत्मविश्वास आया है, जिसे मैंने उसमें बढ़ता हुआ देखा है काम विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ बैड न्यूज की थी। इसके बाद राजकुमार राव के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित अभिनीत भूल भुलैया 3 में काम किया है। तृप्ति की आगामी फिल्म धड़क 2 है। इस बीच, अविनाश तिवारी की थ्रिलर फिल्म, सिकंदर का मुकद्दर, 29 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है। अविनाश के साथ, फिल्म में जिमी शेरगिल, तमन्ना भाटिया और राजीव मेहता भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'पुष्पा 2' ने तोड़ा ऑस्कर विनिंग फिल्म आरआरआर का रिकॉर्ड, ली बंपर ओपनिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर एसएस राजामौली की ऑस्कर विनिंग फिल्म 'आरआरआर' को भारी अंतर से हराया है। साथ ही बॉक्स ऑफिस पर एक नया कीर्तिमान स्थापित करती नजर आई है। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पाः द राइज' के सीक्वल 'पुष्पा 2 द रूल' ने बीते दिन यानी 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी। सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल ने भी अपनी-अपनी भूमिकाएं दोहराई हैं। वहीं, टिकट विंडो पर इसकी ओपनिंग से साफ हो गया है कि पुष्पा, फायर क्यों है। फिल्म ने पहले ही दिन, गुरुवार को एसएस राजामौली की ऑस्कर विनिंग फिल्म 'आरआरआर' को पछाड़कर बॉक्स ऑफिस पर कमाई का एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। सुकुमार द्वारा निर्देशित 'पुष्पा 2ः द रूल' को 12 हजार स्क्रीन पर रिलीज किया गया है। पोस्ट-प्रोडक्शन में देरी के कारण 3डी संस्करण की योजना रद्द कर दी गई। हालांकि, स्क्रीनिंग 2डी और 4डीएक्स प्रारूपों में जारी रही। तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में रिलीज इस फिल्म का बजट तकरीबन 500 करोड़ रुपये है। वहीं, फिल्म की रिकॉर्डतोड़ कमाई से साफ हो रहा है कि 'पुष्पा 2 द रूल' साल के अंत में साउथ फिल्म इंडस्ट्री को बड़ा सौगात देने वाली है। 'पुष्पा 2ः द रूल' ने स्पेशल स्क्रीनिंग में 10.1 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस के टिकट विंडो पर 165 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली। इस तरह इसका टोटल 175.1 करोड़ रुपये हो गया। कलेक्शन के हर एक भाग पर गौर फरमाएं तो इसने तेलुगु में 95.1 करोड़ रुपये, हिंदी में 67 करोड़ रुपये, तमिल में 7 करोड़ रुपये, कन्नड़ में 1 करोड़ रुपये और मलयालम में 5 करोड़ रुपये की कमाई की है। 'पुष्पा 2ः द रूल' ने 'आरआरआर' को भारी अंतर से हराया। राम चरण जूनियर एनटीआर की फिल्म ने पहले दिन 133 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

बॉलीवुड अभिनेत्री सोफिया हयात बोल्डनेस और निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उनके जन्मदिन पर हम आपको बताएंगे उनके जीवन से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में... बॉलीवुड अभिनेत्री सोफिया हयात कभी अपनी निजी जिंदगी तो कभी बोल्डनेस के कारण चर्चा में रहती हैं। सोफिया हयात आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। वे रिश्ता था, हमने साथ में बहुत वक्त गुजारा, लेकिन एक दिन दोस्तों के बीच उन्होंने मुझे अपना फैन बताकर परिचय दिया तो मेरा दिल टूट गया और हम दोनों में दूरियां पैदा होने लगीं।सोफिया हयात ने साल 2017 में इंटीरियर डिजाइनर व्लाद स्टेनेसकाऊ से शादी की थी। जो कि उनसे उम्र

कई फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। बिग बॉस 7 में सोफिया हयात विवादों में भी रही हैं।अभिनेत्री सोफिया हयात क्रिकेटर रोहित शर्मा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में रहीं। उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा कि रोहित शर्मा और उनकी मुलाकात लंदन के एक होटल में हुई थी और इस दौरान दोनों ने साथ में डांस किया था। हालांकि, रोहित शर्मा ने मीडिया के सामने यह साफ कह दिया था कि उन दोनों के बीच रिश्ता नहीं है। उन्हें और भी बड़ा झटका लगा था। सोफिया ने बताया था, 'रोहित मुझ पर दिलों जान से मरते थे और हम दोनों में बहुत ही करीबी में 10 साल छोटे थे। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के रिश्ते में दरार पैदा होने लगी थी। सोफिया ने अपने पति पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने पति को कहा, 'वो शैतान था और एक चोर भी। उसने कहा कि वो एक इंटीरियर डिजाइनर है और महल डिजाइन किए हैं, उसने झूठ बोला, वो कर्जे में डूबा था। उसने कहा कि वो मुझसे प्यार करता है, लेकिन वो झूठा निकला'।सोफिया हयात बिग बॉस 7 में शामिल हो चुकी है। कैश एंड कैरी, नच ले लंदन और अक्सर 2 जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हालांकि, बॉलीवुड में उन्हें खास पहचान नहीं मिली।

विजय वर्मा नहीं बल्कि इस पर मर मिटी थीं तमन्ना भाटिया, जानिए कौन है अभिनेत्री का पहला क्रश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड और टॉलीवुड फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी से सभी का दिल जीत चुकीं तमन्ना भाटिया ने हाल ही में सिकंदर का मुकद्दर के अभिनेता को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। साथ ही इस दौरान तमन्ना ने बताया कि वह उनका क्रश रह चुके हैं।हाल ही में सिकंदर का मुकद्दर का एक इंटरव्यू हुआ, जिस दौरान फिल्म के हीरो जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी और तमन्ना भाटिया ने खुलकर बातचीत की। इस दौरान तमन्ना ने अपने उस क्रश का

नाम बताया, जिसे वह कॉलेज के दिनों पर देखकर मर मिटी थीं। इस इंटरव्यू के दौरान तमन्ना भाटिया ने सबसे पहले खुलासा किया कि एक समय था जब उन्हें जिमी शेरगिल पर क्रश था, जब उनसे पूछा गया कि वह उनके बारे में कैसा महसूस करती हैं, तो लस्ट स्टोरीज 2 की अभिनेत्री तमन्ना ने स्वीकार किया कि उन्हें फिल्म मोहब्बतें में उनसे प्यार हो गया था। तमन्ना ने कहा, ''वह निश्चित तौर पर एक क्रश मोमेंट था।तमन्ना की इन बातों पर अविनाश तिवारी ने कहा कि लोग कहते हैं कि उन्हें जिमी पर क्रश था, लेकिन आज भी, उन्हें दुनिया भर के अपने प्रशंसकों से प्यार मिल रहा है।

पुष्पा ने मेरे करियर के लिए कुछ खास नहीं किया', 'पुष्पा 2' के लिए ऐसा सोचते हैं फहद फासिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पुष्पाः द राइज' और 'पुष्पाः द रूल' में भंवर सिंह लिए ऐसा कुछ किया है। मैंने सुकुमार से भी ये बात कह दी है। मुझे इस बारे में मुझे ईमानदार

शेखावत की भूमिका निभाने वाले फहाद फासिल का मानना है कि उनके लिए फिल्म ने कुछ खास नहीं किया है। फहद फासिल को फिल्म 'पुष्पा 2' में भंवर सिंह शेखावत की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सुकुमार निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो गई है। फिल्म रिलीज के बाद फहद फासिल का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह पुष्पा से जुड़ी कुछ बातें बता रहे हैं। 'पुष्पा 2' देखने वाले कई प्रशंसकों को लगा कि फहद का कम उपयोग किया गया है और दूसरे भाग में उन्हें कार्टून जैसा दिखाया गया है। फहद फासिल अपने इस पुराने इंटरव्यू में कहते दिख रहे हैं कि फिल्म 'पुष्पा' ने उनके करियर के लिए कुछ खास नहीं किया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि फिल्म पुष्पा ने मेरे होना चाहिए। फहद फासिल ने आगे कहा, मैं यहां मेरा काम कर रहा हूं। किसी भी चीज़ का अनादर नहीं। मुझे नहीं लगता कि पुष्पा के बाद लोग मुझसे जादू की उम्मीद करते हैं। नहीं, यह शुद्ध सहयोग और सुकुमार सर के लिए प्यार है। मेरा काम यहां इस इंडस्ट्री में ही है। फहद के किरदार को पुष्पा और पुष्पा 2 में प्रशंसकों का बहुत प्यार मिला है, लेकिन प्रशंसकों को फिल्म में उनका किरदार थोड़ा कमजोर लगा है। खबरों की मानें तो फहद की नेटवर्थ 36 करोड़ है। वह फिल्मों के अलावा एड्स, रियल स्टेट और निवेश के जरिए भी कमाई करते हैं।अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म को प्रशंसकों का प्यार मिल रहा है। फिल्म ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। पुष्पा 2 ने पहले दिन ही 165 करोड़ की कमाई कर ली है।

फिल्मों में आने के लिए परिवार से लड़ बैठीं बीना, भूख हड़ताल की; मधुबाला से रहा खास कनेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्री बीना राय की 16वीं डेथ एनिवर्सरी है। बीना अपने जमाने की शानदार अदाकारा थीं। उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। अभिनेत्री के फिल्मों में एंट्री लेने की कहानी काफी दिलचस्प आकर बस गईं। इसके बाद उन्होंने भारत से ही आगे की पढ़ाई पूरी की। अभिनेत्री ने कॉलेज के दौरान ही थिएटर में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। अपनी खूबसूरती और अदाकारी के चलते वह कॉलेज में भी काफी मशहूर हुईं।बीना राय अपनी खूबसूरती जिद और अदाकारी के लिए पहचानी जाती

है। आइए आज जानते हैं कि कैसे भूख हड़ताल पर बैठ कर अभिनेत्री ने फिल्मी दुनिया में कदम रखाङ्गजलाने वाले जलाते ही हैं चराग आखिर, ये क्या कहा कि हवा तेज है जमाने कीङ्ग यह शेर 60 के दशक की अभिनेत्री बीना राय के ऊपर बिल्कुल सटीक बैठता है। उनके फिल्मों में आने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। लोग अपनी बड़ी-बड़ी मांगे मनवाने के लिए भूख हड़ताल पर बैठते हैं, लेकिन अभिनेत्री को अभिनय से इतना प्यार था कि वह फिल्मों में काम करने के लिए भूख हड़ताल पर बैठ गईं। बीना को अनारकली (1953), घूंघट (1960), ताज महल (1963) जैसी कई शानदार फिल्मों के लिए सराहा जाता है।13 जुलाई 1931 को बीना राय का जन्म लाहौर में हुआ। उनके पिता कृष्णा सरीन रेलवे में अधिकारी थे। अभिनेत्री ने लाहौर से ही अपनी शुरुआती पढ़ाई पूरी की। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बाद वह अपने परिवार के साथ कानपुर हैं। अपने कॉलेज के दिनों में एक दिन उन्हें अखबार में एक विज्ञापन दिखा, जिसमें फिल्ममेकर किशोर साहू अपनी नई फिल्म के लिए हीरोइन तलाश रहे थे। इसका चयन एक प्रतियोगिता के जरिए होना था। यह विज्ञापन देखते ही बीना की आंखें चमक उठीं और वह घर पहुंच गईं। घरवालों से उन्होंने कहा कि उन्हें हीरोइन बनने के लिए मुंबई जाने दें। घरवालों ने बीना की इस मांग को ठुकरा दिया, क्योंकि उस दौर में हीरोइन का काम करने वालों को असभ्य पेशा माना जाता था। बीना जिद पर अड़ गईं कि उन्हें मुंबई जाने दिया जाए, लेकिन उनके पिता नहीं माने। अंत में वह भूख हड़ताल पर बैठ गईं और परिवार वालों को उनकी जिद माननी पड़ी। घरवालों से मुंबई जाने की इजाजत मिलने के बाद बीना राय ने प्रतियोगिता में भाग लिया और उन्होंने जीत हासिल की। जीतने के बाद अभिनेत्री को 25 हजार रुपये मिलें, जो कि उस समय काफी बड़ी रकम थी।

शोले' के निर्देशक ने क्यों नहीं बनाई अमिताभ की 'मजबूर' 'कोल्ड स्वेट' की कॉपी थी फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन, परवीन बाबी और प्राण की 6 होने की अफवाह थी। अवधारणा यह थी कि कहानी का नायक यानी अमिताभ बच्चन अपनी विधवा मां, करता है, यह भी दोनों फिल्मों में है। फिल्म सलीम-जावेद ने लिखी थी। जब निर्देशक 'सीता और गीता' फिल्में साथ में कीं। फिल्म रिलीज होने के अगले दस वर्षों में 'मजबूर' को तमिल, तेलुगु, गुजराती और

दिसंबर, 1974 में रिलीज हुई फिल्म 'मजबूर' ने आज अपने 50 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म की गोल्डन जुबली पर चलिए आपको बताते हैं 'मजबूर' से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से. अमिताभ बच्चन अभिनीत 'मजबूर' ने 6 दिसंबर, 1974 में रिलीज हुई थीं और आज इस फिल्म को रिलीज हुए पूरे 50 साल हो चुके हैं। 'मजबूर' की आज गोल्डन जुबली है। इस फिल्म से जुड़े कई दिलचस्प किस्से और तथ्य हैं, जो कुछ ही लोगों को पता होंगे। यह हॉलीवुड से प्रेरित फिल्म है। बॉलीवुड में यह फिल्म बनाने के बाद खुद भारत में कई भाषाओं में इसका रीमेक बनाया गया। चलिए फिल्म की 50वीं सालगिरह के मौके पर जानते हैं फिल्म से जुड़ी कुछ अनसुने किस्से... 'मजबूर' का निर्देशन बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन के पिता रवि टंडन ने किया था। 1973 में आई जंजीर के बाद 'मजबूर' सलीम-जावेद और अमिताभ बच्चन के बीच दूसरी फिल्म थी। इसके बाद 1975 में 'दीवार' आई। सलीम-जावेद ने अमिताभ बच्चन को तीनों फिल्मों के जरिए तीन अलग-अलग किरदार दिए। 'मजबूर' की कहानी एक अमेरिकी फिल्म पर आधारित विकलांग बहन और छोटे भाई के बहुत करीब है और उनकी देखभाल करना अभिनेता की जिम्मेदारी है, लेकिन उसे ब्रेन ट्यूमर हो जाता है और डॉक्टर उसे बताते हैं कि वह छह से आठ महीने से ज्यादा जिंदा नहीं रह पाएंगे। अमिताभ बच्चन को पता चलता है कि उनकी मृत्यु के बाद अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए जल्दी से जल्दी पैसे कमाने का एकमात्र तरीका एक हत्या की जिम्मेदारी लेना है, जिससे उन्हें पांच लाख रुपये मिलेंगे। पचास साल पहले पांच लाख एक बड़ी रकम थी। वह पैसे जुटाता है, जेल जाता है, अपना ऑपरेशन करवाता है और उसे पता चलता है कि वह बीमारी से ठीक हो गया है। अब क्या? उसे पुलिस को असली कातिल तक पहुंचाने में मदद करनी है। यह अवधारणा उस समय हिट साबित हुई। उस समय फिल्म समीक्षकों ने कहा था कि 'मजबूर' का क्लाइमेक्स अमेरिकी फिल्म ओल्ड स्वेट के क्लाइमेक्स से प्रेरित था। दोनों फिल्मों के क्लाइमेक्स में लाल रंग की कार है। कैसे नायक साबित करता है कि वह असली हत्यारा नहीं है और पुलिस को असली कातिल तक पहुंचाने में मदद के बाद अपनी अगली फिल्म शुरू करना चाहते थे, तब लेखक जोड़ी ने मजबूर की स्क्रिप्ट रमेश सिप्पी को सुनाई थी, लेकिन जीपी सिप्पी एक बड़ी फिल्म बनाना चाहते थे और उन्होंने 'शोले' पर काम करना शुरू कर दिया। फिर सलीम-जावेद ने निर्माता प्रेमजी को कहानी सुनाई। प्रेमजी कभी दिलीप कुमार के सचिव थे। फिर 'मजबूर' की स्क्रिप्ट रवि टंडन के पास गई और उन्होंने इसे अपने तरीके से संभाला। 'मजबूर' में प्राण भी थे। फिल्म में अभिनेता प्राण की एंट्री दूसरे भाग में होती है, लेकिन अभिनेता बहुत ज्यादा माइलेज लेकर चले जाते हैं। प्रेमजी को फिल्म के दूसरे भाग में प्राण के महत्वपूर्ण किरदार को पेश करने में संदेह था, लेकिन प्राण को कैसे पेश किया जाए? सलीम-जावेद ने उन्हें 'माइकल दारू पी के दंगा करता है' गाने की सिचुएशन दी। फिल्म में माइकल उर्फ प्राण का अपनी आंखों के सामने हाथ रखने और देखने का एक अनोखा अंदाज है। यह अंदाज रवि टंडन का था जो चीजों को ऐसे ही देखते थे। वह गाना एक बड़ा हिट साबित हुआ मजबूर' अमिताभ बच्चन और परवीन बॉबी की पहली साथ में फिल्म थी। बाद में इस जोड़ी ने कई दूसरी भाषाओं में रीमेक किया गया। मजबूर एक म्यूजिकल हिट थी। यह सलीम-जावेद और अमिताभ बच्चन की जोड़ी की एक अलग कॉन्सेप्ट वाली फिल्म है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।